मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 186
सोमवार, 19 जनवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

तृणमूल कांग्रेस के मेगा-जंगलराज को खत्म करने के लिए तैयार है बंगालः पीएम मोदी

सिंगूर, 18 जनवरी। प्रधानमंत्री मोदी ने सिंगूर की रैली में कहा कि पश्चिम बंगाल में हर कोई तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के महाजंगल राज को खत्म करना चाहता है। प्रधानमंत्री मोदी ने सिंगूर की रैली में कहा कि बंगाल के लोग तृणमूल कांग्रेस के कुशासन से तंग आ चुके हैं और पार्टी को सत्ता से बेदखल करना चाहते हैं। हमें पश्चिम बंगाल और देश के विकास के लिए वंदे मातरम्-को मंत्र बनाना होगा। भाजपा के केंद्र में सत्ता में आने के बाद बांग्ला को शास्त्रीय का दर्जा मिला। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस केंद्र में संप्रग सरकार का हिस्सा रही थी, लेकिन तत्कालीन सरकार ने बांग्ला को शास्त्रीय का दर्जा नहीं दिया। मैं बंगाल की जनता की सेवा करना चाहता हूं, लेकिन तृणमूल सरकार केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचने से रोक रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सिंगूर की रैली में पूछा क्या बंगाल की जनता के हितों के विरुद्ध कार्य करने के लिए तृणमूल कांग्रेस सरकार को दंडित नहीं किया जाना चाहिए। आगामी विधानसभा चुनावों में बंगाल की जनता क्रूर तृणमूल सरकार को सबक सिखाएगी। बंगाल के विकास के लिए राज्य को भाजपा के डबल इंजन वाली सरकार की जरूरत है। बंगाल की शिक्षा व्यवस्था तृणमूल कांग्रेस के भ्रष्टाचार की गिरफ्त में है, छात्र गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित हैं। भ्रष्टाचार के कारण शिक्षकों की नौकरी न जाए, इसके लिए आपको भाजपा को वोट देना जरूरी है। तृणमूल कांग्रेस राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही और घुसपैठियों को बचाने की कोशिश कर रही, जो उसका वोट बैंक हैं। पीएम मोदी ने कहा कि फर्जी दस्तावेजों के साथ बंगाल में रह रहे घुसपैठियों की पहचान करके उन्हें उनके देशों में वापस भेजना होगा।

सिंगूर में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अभी-अभी भाजपा और एनडीए ने बिहार में जंगलराज को एक बार फिर से रोका है। अब पश्चिम बंगाल भी TMC के महा-जंगलराज को विदा करने के लिए तैयार है। हुगली और वंदे मातरम का रिश्ता तो और भी विशेष है। कहते हैं कि यहीं पर ऋषि बंकिम जी ने वंदे मातरम्-को उसका पूर्ण स्वरूप दिया। जिस प्रकार वंदे मातरम् आजादी का उद्घोष बना था। उसी तरह हमें वंदे मातरम्-को पश्चिम बंगाल और भारत को विकसित बनाने का मंत्र भी बनाना है।

नए पार्षद नगर निगम को कमीशन का कारोबार न समझें : देवेंद्र फडणवीस

मुंबई, 18 जनवरी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनिर्वाचित पार्षदों को चेतावनी देते हुए कहा कि वे अहंकार या पारदर्शिता की कमी बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि नए पार्षद नगर निगम को कमीशन का कारोबार न समझें।

भाजपा ने शुक्रवार को पुणे और पिंपरी चिंचवड महानगर पालिका के चुनावों में अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) तथा अन्य दलों को करारी शिकस्त दी।

फडणवीस ने दोनों नगर निकायों के नवनिर्वाचित पार्षदों को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 30 से 35 वर्षों में पुणे में महानगर पालिका चुनावों में किसी अन्य पार्टी को ऐसी सफलता नहीं मिली है।

उन्होंने कहा, एक तरह से पुणे की जनता ने हमारे प्रधानमंत्री मोदी के विकास एजेंडे पर अपनी मुहर लगा दी है। पूरा पुणे शहर इस विकास एजेंडे के साथ मजबूती से खड़ा रहा है और हमें स्पष्ट जनादेश दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा, विशेषकर पुणे में, मीडिया में भी मुकाबले को बेहद कड़ा बताया जा रहा था, जिससे यह धारणा बन रही थी कि लड़ाई बेहद करीबी होगी। लेकिन आप सभी ने, और मैं विशेष रूप से पुणे में हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई देता हूं, इस कठिन मुकाबले को एकतरफा बना दिया और निर्णायक जीत हासिल की।

उन्होंने कहा कि यह जीत जिम्मेदारी भी लाती है और जनता की उच्च अपेक्षाओं को दशार्ती है। फडणवीस ने कहा, अगर हम इस भरोसे पर खरे उतरते हैं, तो अगले 25 वर्षों तक हमारी स्थिति निर्विवाद रहेगी।

हिमाचल प्रदेश में आने वाले दिनों में राज्य मंत्रिमंडल में फेरबदल हो सकता है : मुख्यमंत्री सुक्खू

हिमाचल प्रदेश, 18 जनवरी। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि आने वाले दिनों में राज्य मंत्रिमंडल में फेरबदल हो सकता है। सुक्खू ने यह बयान दिल्ली से लौटने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए दिया।

मुख्यमंत्री ने दिल्ली में कई केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की थी। सुक्खू ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उन्हें आश्वासन दिया है कि राजकोषीय विकेंद्रीकरण, अनुदान और आपदा प्रबंधन ढांचे को अंतिम रूप देते समय क्षेत्र-विशिष्ट दृष्टिकोण अपनाने पर विचार किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस कदम से यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्यों को उनकी विकास संबंधी जरूरतों और आपदा-प्रतिरोध संबंधी चुनौतियों का सामना करने के लिए पर्याप्त सहायता मिले।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीतारमण ने उन्हें यह आश्वासन भी दिया कि सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के दो प्रतिशत के बराबर अतिरिक्त उधार लेने की अनुमति देकर वित्तीय सहायता के लिए राज्य के अनुरोध पर विचार किया जाएगा और राज्य बागवान मालिकों के हितों पर भी विचार किया जाएगा।

सुक्खू ने कहा कि उन्होंने वित्त मंत्री के समक्ष न्यूजीलैंड से सेबों के आयात के मुद्दे को मजबूती से उठाया जिससे स्थानीय बागवान मालिकों के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

वाराणसी के 3294 परिवारों को मिली पहली किस्त, मुख्यमंत्री ने लाभार्थी माधुरी देवी से किया संवाद

- पीएम आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत 2 लाख लाभार्थियों के खातों में सीधे भेजे गए एक एक लाख
- लखनऊ से 2000 करोड़ से अधिक की अनुदान राशि का डीबीटी अंतरण

सुरेश गांधी

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन का प्रतिफल है कि उत्तर प्रदेश में अब तक 60 लाख से अधिक गरीब परिवारों को ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिल चुका है। इसी कड़ी में रविवार को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत मुख्यमंत्री ने प्रदेश के विकास को नई गति दी।

लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान (आईजीपी) में आयोजित भव्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रदेश के 2 लाख से अधिक लाभार्थियों के बैंक खातों में एक-एक लाख रुपये की पहली किस्त हस्तांतरित की। इस दौरान 2000 करोड़ से अधिक की अनुदान राशि सीधे डीबीटी के जरिए भेजी गई। कार्यक्रम में माननीय केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर वर्चुअल माध्यम से जुड़े।

इस योजना के अंतर्गत वाराणसी के 3294 लाभार्थियों के खातों में भी धनराशि पहुंची। मुख्यमंत्री ने वर्चुअल संवाद के दौरान वाराणसी की लाभार्थी श्रीमती माधुरी देवी से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत की। उन्होंने आवास निर्माण की प्रगति और योजना से जीवन में आए बदलाव की जानकारी ली। माधुरी देवी ने पक्का घर मिलने पर खुशी जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

स्वीकृति पत्र वितरित, जनप्रतिनिधियों ने दी बधाई वाराणसी में आयोजित स्थानीय कार्यक्रम में लाभार्थियों को स्वीकृति प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर महापौर अशोक कुमार तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, शहर दक्षिणी विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी और कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव मौजूद रहे। जनप्रतिनिधियों ने लाभार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि सरकार की प्राथमिकता हर गरीब को सुरक्षित और सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम में जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार, नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। लाभार्थियों के चेहरों पर पक्के मकान का सपना साकार होने की खुशी साफ झलक रही थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल एक आवास नहीं, बल्कि गरीब परिवारों के लिए आत्मसम्मान, सुरक्षा और सम्पूर्ण स्वावलंबन की मजबूत नींव है।

रहमान की चिंताओं पर जावेद अख्तर की टिप्पणी मुस्लिमों की वास्तविकता से मेल नहीं खाती : महबूबा मुफ्ती

कश्मीर, 18 जनवरी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने रविवार को कहा कि गीतकार और पटकथा लेखक जावेद अख्तर बॉलीवुड के कथित सांप्रदायिकरण को लेकर संगीतकार ए आर रहमान की चिंताओं को खारिज करके भारतीय मुसलमानों की वास्तविकताओं का खंडन कर रहे हैं।

मुफ्ती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, जब जावेद अख्तर बॉलीवुड में बढ़ते सांप्रदायिकरण को लेकर ए आर रहमान की चिंताओं को खारिज करते हैं, तो वह भारतीय मुसलमानों के वास्तविक अनुभवों का खंडन करते हैं, जिसमें उनकी पत्नी शबाना आजमी के अनुभव भी शामिल हैं, जिन्होंने खुले तौर पर यह कहा है कि उन्हें बंबई जैसे महानगर में सिर्फ. मुसलमान होने की वजह से मकान किराए पर देने से इनकार कर दिया गया था।

मीडिया में आयी खबरों के अनुसार, अख्तर ने कहा कि रहमान को बॉलीवुड में काम के कम अवसर मिलने में कोई सांप्रदायिक तत्व शामिल नहीं है। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, बॉलीवुड हमेशा से देश की सामाजिक सच्चाइयों को प्रतिबिंबित करता हुआ एक जीवंत मिनी-इंडिया रहा है। ऐसे अनुभवों को नजरअंदाज कर देने से आज के भारत की सच्चाई नहीं बदल जाती।

पुलिस मुठभेड़ के दौरान तीन शातिर बदमाश गिरफ्तार, दो के पैर में लगी गोली

नोएडा। नोएडा थाना ईकोटेक-तीन पुलिस ने शनिवार रात एक मुठभेड़ के बाद तीन शातिर लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया जो राहगीरों को कार में लिफ्ट देकर लूटपाट करते थे। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्तियों के खिलाफ पूर्व में कई मामले दर्ज हैं।

पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना ईकोटेक-तीन पुलिस बीती रात को कच्ची सड़क के पास बैरियर लगाकर जांच कर रही थी, तभी एक कार में कुछ लोग आते दिखे। उन्होंने बताया कि संदेह होने पर पुलिस ने कार को रुकने का इशारा किया लेकिन कार सवार रुकने की बजाए वहां से भागने लगे।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने कार का पीछा करके उन्हें घेर लिया और बदमाशों ने पुलिस दल पर गोली चला दी।

मौनी अमावस्या-18 जनवरी, 2026

अशांति के कोलाहल में शांति का शंखनाद है मौन

-ललित गर्ग

मौन केवल शब्दों का अभाव नहीं है, वह आत्मा की सबसे सघन भाषा है। 18 जनवरी 2026 को आने वाली मौनी अमावस्या इसी मौन की महत्ता को जीवन के केंद्र में प्रतिष्ठित करने का पावन, सिद्ध एवं पवित्र अवसर है। भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में मौन को जितना ऊँचा स्थान दिया गया है, उतना शायद किसी अन्य साधना को नहीं। ऋषियों ने कहा है कि जहाँ शब्द समाप्त होते हैं, वहीं से सत्य आरंभ होता है। मौन वह बिंदु है जहाँ मन की चंचल तरंगें थमती हैं और चेतना का निर्मल सरोवर प्रकट होता है। यह जीवन का सौंदर्य भी है और ऊर्जा का अक्षय भंडार भी। मौन में शक्ति संचित होती है, दिशा मिलती है और अध्यात्म को गति प्राप्त होती है। मौनी अमावस्या का संबंध केवल कैलेंडर की एक तिथि से नहीं, बल्कि जीवन के गहरे अनुशासन से है। यह दिन मनुष्य को बाहरी कोलाहल से हटाकर अंतर्मुखी होने का निमंत्रण देता है। मौन का अर्थ यह नहीं कि व्यक्ति निष्क्रिय हो जाए, बल्कि यह कि उसकी चेतना जाग्रत हो जाए। जब वाणी विश्राम करती है, तब विवेक बोलने लगता है। मनुष्य का मन, जो सामान्यतः अतीत और भविष्य के बीच भटकता रहता है, मौन में वर्तमान में टिकना सीखता है। यही एकाग्रता आत्मशुद्धि का द्वार खोलती है। मौन साधना है, तप है और जीवन की आध्यात्मिक ऊँचाई है।

मौनी अमावस्या को अमावस्या का भी विशेष महत्व है। अमावस्या का अंधकार बाहरी रूप से भले ही रिक्तता का संकेत दे, परंतु आध्यात्मिक दृष्टि से यह भीतर की यात्रा का प्रतीक है। जब चंद्रमा अदृश्य होता है, तब मनुष्य के भीतर का चंद्र प्रकट होने की संभावना बनती है। मौन और अमावस्या का यह संयोग आत्मचिंतन को अत्यंत प्रभावशाली बना देता है। इस दिन किया गया मौन-व्रत केवल वाणी का संयम नहीं, बल्कि विचारों का परिष्कार भी है। विचारों की शुद्धि से ही कर्म शुद्ध होते हैं और कर्मों की शुद्धि से जीवन पवित्र बनता है। मौनी अमावस्या का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष पितृ तर्पण और पिंडदान से जुड़ा है। भारतीय संस्कृति में पितरों को केवल अतीत की स्मृति नहीं माना गया, बल्कि वे हमारी चेतना की जड़ें हैं। जिनसे हमें जीवन मिला, जिनके संस्कार हमारे रक्त में प्रवाहित हैं, उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना आध्यात्मिक दायित्व है। इस दिन पवित्र नदियों के तट पर या श्रद्धा के साथ घर में किया गया तर्पण और पिंडदान पितरों की आत्मा को शांति प्रदान करता है। ऐसा माना जाता है कि मौनी अमावस्या के दिन किए गए तर्पण से पितृलोक में विशेष संतोष और तृप्ति का संचार होता है।

तर्पण केवल जल अर्पण की क्रिया नहीं है, वह स्मरण की साधना है। जब संतति अपने पूर्वजों को श्रद्धा से याद करती है, तो एक अदृश्य सेतु बनता है जो पीढ़ियों को जोड़ता है। पिंडदान के माध्यम से पितरों की

अधूरी कामनाओं को पूर्णता की दिशा मिलती है और उन्हें मोक्ष की ओर अग्रसर होने में सहायता प्राप्त होती है। शास्त्रों में कहा गया है कि मौनी अमावस्या के दिन किया गया पिंडदान अनेक अमावस्याओं के फल के बराबर होता है, क्योंकि इस दिन मौन की ऊर्जा कर्म को कई गुना प्रभावशाली बना देती है। इस दिन मौन के साथ किया गया तर्पण साधक के भीतर भी गहरा परिवर्तन लाता है। जब व्यक्ति मौन रहकर पितरों का स्मरण करता है, तो उसका अहंकार स्वतः झुक जाता है। उसे यह बोध होता है कि वह अकेला नहीं है, बल्कि एक लंबी परंपरा की कड़ी है। यह बोध जीवन में विनम्रता, करुणा और संतुलन को जन्म देता है। मौन की शांति में किया गया स्मरण केवल पितरों को ही नहीं, स्वयं साधक को भी मुक्त करता है। वह अपने भीतर जमी अनेक ग्रंथियों को खोल पाता है। मौनी अमावस्या पर मौन धारण करना मन को एकाग्र करने का सशक्त साधन है। मनुष्य का सबसे बड़ा संघर्ष अपने ही मन से है। वाणी जब निरंतर सक्रिय रहती है, तो मन भी बिखरा और अशांत रहता है। मौन उसे भीतर लौटने का अवसर देता है। इस दिन यदि व्यक्ति कुछ समय के लिए पूर्ण मौन रखे, ध्यान करे, जप करे या केवल श्वास के आवागमन को साक्षी भाव से देखे, तो उसे भीतर एक गहरी शांति का अनुभव होता है। यही आत्मशुद्धि है, यही साधना का सार है। मौन जीवन को सुंदर बनाता है क्योंकि वह अनावश्यक को हटाता है। जहाँ मौन है, वहाँ क्रोध, ईर्ष्या और द्वेष स्वतः क्षीण हो जाते हैं। मौन शक्ति को केंद्रित करता है क्योंकि वह ऊर्जा को व्यर्थ बिखरने नहीं देता। जो ऊर्जा शब्दों में नष्ट होती है, वही मौन में संचित होकर साधना बन जाती है। इसी संचित ऊर्जा से व्यक्ति अपने जीवन को ऊँचाई देता है। मौन अध्यात्म की गति है क्योंकि यह सीधे आत्मा से जुड़ता है, किसी माध्यम की आवश्यकता नहीं होती।

वस्तुतः आध्यात्मिक क्षेत्र में मौन का एक विशिष्ट और अपरिहार्य स्थान है। यह कोई साधारण चुप्पी नहीं, बल्कि एक अत्यंत व्यवस्थित और वैज्ञानिक साधना है, जिसे अपनाकर साधक अपनी चित्त-वृत्तियों को विक्षेप से बचा लेता है। मौन के अभ्यास से जीवनी शक्ति और प्राण शक्ति परिपुष्ट होती है। व्यक्ति अपने भीतर एक नई स्फूर्ति, नई ताजगी और आंतरिक ऊर्जा का अनुभव करता है। निरंतर बोलते रहने से न केवल वाणी की प्रभावशीलता क्षीण होती है, बल्कि उससे मस्तिष्क की सूक्ष्म शक्तियों का भी अनावश्यक क्षय होता है। मौन के द्वारा वाणी सुरक्षित होती है, परिष्कृत होती है और उसमें गहन प्रभाव उत्पन्न होता है। अध्यात्म क्षेत्र में जिस वाक्-सिद्धि की चर्चा की जाती है, उसका मूल आधार भी मौन-साधना ही है। कम बोलने वाला व्यक्ति जब बोलता है, तो उसके शब्दों में स्वतः ही वजन और प्रभाव आ जाता है।

महात्मा गांधी अपने जीवन में मौन को विशेष महत्व देते थे। उनकी आत्मकथा से ज्ञात होता है कि वे प्रति सप्ताह एक दिन मौन रखते थे। उनका अनुभव था कि मौन से उन्हें गहरा विश्राम मिलता है और कार्य करने के लिए नई शक्ति का संचार होता है। इसी प्रकार आचार्य तुलसी भी प्रायः प्रतिदिन नियमित रूप से मौन-साधना करते थे। वे कहा करते थे कि मौन से उन्हें अपूर्व आंतरिक आनंद की अनुभूति होती है। यह एक सुनिश्चित तथ्य है कि यदि मौन-साधना के साथ मनोवृत्तियों को आत्मचिंतन में लगा दिया जाए, तो आध्यात्मिक आनंद का निर्झर स्वतः प्रवाहित होने लगता है। महान संत महर्षि रमण के विषय में प्रसिद्ध है कि वे प्रायः मौन ही रहते थे, किंतु उस मौन में इतनी गहन संप्रेषण शक्ति थी कि उनके समीप आने वाले जिज्ञासुओं की जटिलतम समस्याओं का समाधान बिना शब्दों के ही हो जाता था। वस्तुतः मौन एक अंतर्भाषा है-ऐसी भाषा जो शब्दों से परे होकर सीधे आत्मा से संवाद करती है। प्राचीन ऋषि-मुनि अपने शिष्यों को मौन के माध्यम से ही उपदेश देते थे। मौन-साधना से वे सभी सिद्धियाँ प्राप्त की जा सकती हैं, जिनकी प्राप्ति के लिए अन्य कठिन योग-साधनाओं का सहारा लेना पड़ता है। मौन, साधना का शिखर भी है और साधना का आधार भी। मौनी अमावस्या हमें यह सिखाती है कि जीवन की वास्तविक प्रगति बाहरी उपलब्धियों से नहीं, भीतर की शांति से मापी जाती है। इस दिन का संदेश स्पष्ट है कि कुछ क्षण रुकिए, मौन में उतरिए और अपने मूल से जुड़िए। पितरों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कर, उनके लिए तर्पण और पिंडदान कर, और स्वयं के लिए मौन साधना अपनाकर मनुष्य अपने जीवन को संतुलित और सार्थक बना सकता है। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि मौन कोई रिक्तता नहीं, बल्कि पूर्णता है, कोई कमजोरी नहीं, बल्कि अपार शक्ति है। अंततः मौनी अमावस्या आत्मा का पर्व है। यह न केवल पितरों को मोक्ष की दिशा में ले जाने वाला अवसर है, बल्कि जीवित मनुष्य के लिए भी आंतरिक मुक्ति का द्वार है। मौन के माध्यम से मनुष्य अपने भीतर के शोर से मुक्त होता है, और जब भीतर शांति स्थापित होती है, तभी जीवन में सत्य, करुणा और चेतना का प्रकाश फैलता है। मौनी अमावस्या हमें इसी प्रकाश की ओर अग्रसर होने का मौन आमंत्रण देती है। अशांति के कोलाहल में शांति का शंखनाद है मौन।

मोक्षस्थली मणिकर्णिका में अफवाह का धुआँ, राजनीति की आग

-सुरेश गांधी

जहां चिता की अग्नि अहंकार को भस्म कर देती है, जहां मृत्यु भी सत्य का पाठ पढ़ाती है, उसी मणिकर्णिका घाट को इन दिनों झूठ, भ्रम और सियासी शोर से ढकने की कोशिश हो रही है। काशी की इस मोक्षस्थली पर बहस आस्था की नहीं, अफवाहों की प्रयोगशाला बनती जा रही है। विकास को विनाश बताने का वही पुराना खेल, बस इस बार हथियार बदले हैं, अब शब्द नहीं, एआई से गढ़ी गई तस्वीरें और डीपफेक वीडियो इस्तेमाल हो रहे हैं। मणिकर्णिका घाट का कायाकल्प वर्षों से लंबित एक आवश्यक कदम था। असुरक्षित प्लेटफॉर्म, गंदगी, अव्यवस्था और शोक में डूबे परिजनों की पीड़ा किसी से छिपी नहीं थी। लेकिन जैसे ही सरकार ने इस महाश्मशान को उसकी गरिमा लौटाने की पहल की, संस्कृति की दुहाई देकर भ्रम फैलाने वालों की भीड़ अचानक सक्रिय हो गई। कुछ राजनीतिक दलों ने इसे मुद्दा बनाकर खोई जमीन तलाशनी शुरू कर दी, तो कुछ तथाकथित विद्वानों ने बिना तथ्य परखे अपनी लेखनी से आग में घी डालने का काम किया। स्थिति तब और गंभीर हुई जब सोशल मीडिया पर मणिकर्णिका को ध्वस्त दिखाने वाली तस्वीरें वायरल की गईं। जांच में सामने आया कि ये दृश्य या तो पुराने थे या फिर पूरी तरह एआई जनरेटेड। अफवाह का यह नया डिजिटल अवतार सिर्फ सरकार नहीं, समाज की विवेकशीलता को चुनौती दे रहा है

मणिकर्णिका घाट, जहां मृत्यु भी मोक्ष का उत्सव है, आज आस्था से नहीं, अफवाह और सियासत के धुएं से घिरा है। घाट के कायाकल्प को लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से गढ़ी गई तस्वीरें, डीपफेक वीडियो और आधे-अधूरे सच को हथियार बनाकर एक बार फिर वही पुराना खेल खेला गया, विकास को विनाश बताने का। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तरह इस बार भी भ्रम फैलाकर सरकार को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मणिकर्णिका पर मौजूदगी ने इस पूरे नैरेटिव को पलट दिया। घाट पर खड़े होकर दिया गया उनका संदेश साफ था, आस्था से समझौता नहीं होगा, लेकिन अव्यवस्था अब परंपरा नहीं कहलाएगी। पुलिसिया सख्ती ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि एआई के सहारे धार्मिक भावनाएं भड़काना अब महज शरारत नहीं, अपराध है। यह विवाद घाट का नहीं, मानसिकता का है। कुछ राजनीतिक दल और तथाकथित विद्वान संस्कृति की दुहाई देकर उसी अव्यवस्था को बचाना चाहते हैं, जिससे काशी दशकों तक जूझती रही। सवाल सीधा है, क्या गंदगी, असुरक्षा और पीड़ा ही सनातन की पहचान हैं? मणिकर्णिका की चिता की आग ने एक बार फिर बता दिया है, काशी बदनाम नहीं, बदली जा रही है।

दरआसल, काशी में जब - जब विकास की बात होती है, कुछ चेहरे और कुछ राजनीतिक दल अचानक ह्यसंस्कृति के ठेकेदारह्न बन जाते हैं। उन्हें न तो दशकों की अव्यवस्था दिखती है, न गंदगी से कराहती आस्था, न शोक में डूबे परिजनों की पीड़ा। उन्हें दिखता है तो केवल वही क्षण, जब व्यवस्था बनने लगती है। मणिकर्णिका घाट के पुनर्निर्माण को लेकर मचाया जा रहा शोर उसी मानसिकता का ताजा उदाहरण है। वही आशंकाएं, वही धमकियां, वही भ्रम, जो कभी काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर, नमो घाट, अस्सी घाट, डालमंडी और शहर की सड़कों के सौंदर्यीकरण के समय सुनाई दिया था। मणिकर्णिका घाट कोई साधारण श्मशान नहीं, बल्कि सनातन दर्शन का जीवंत प्रतीक है। यहां मृत्यु भय नहीं जगाती, बल्कि जीवन का अंतिम सत्य समझाती है। यहां चिता की लपटें डराती नहीं, बल्कि अहंकार जलाकर विवेक जगाती हैं। फिर भी, दशकों तक इस पवित्र स्थल पर अव्यवस्था, गंदगी और असुरक्षा को परंपरा कहकर स्वीकार कर लिया गया। सवाल यह है, क्या अव्यवस्था ही संस्कृति है? क्या असुरक्षित दाह-संस्कार स्थल, फिसलन भरे प्लेटफॉर्म, गंदे मुंडन स्थल और शोकाकुल परिजनों की अनदेखी ही काशी की पहचान है?

काशीः समय के पार खड़ा सत्य

अब इन विरोधियों को कौन समझाए कि काशी कोई साधारण शहर नहीं, कोई सामान्य तीर्थ नहीं, कोई केवल धार्मिक स्थल नहीं। काशी समय के पार खड़ा वह सत्य है, जहां जीवन और मृत्यु आमने-सामने संवाद करते हैं। और इसी काशी की आत्मा का सबसे तीखा, सबसे निर्विवाद और सबसे शाश्वत प्रतीक है, मणिकर्णिका घाट। पुराणों में वर्णन है कि यहीं भगवान विष्णु के कान का कुंडल (मणि) गिरा, यहीं माता सती की मणि गिरी, यहीं स्वयं महादेव मृत्यु के क्षण में तारक मंत्र का उपदेश देते हैं। स्कंद पुराण, काशी खंड और पद्म पुराण, सभी मणिकर्णिका को मोक्ष का प्रथम सोपान बताते हैं। यह घाट केवल दाह-संस्कार स्थल नहीं, सभ्यता का दर्पण है। लेकिन विडंबना यह रही कि सदियों से पूजित इस घाट को दशकों तक प्रशासनिक उपेक्षा और राजनीतिक उदासीनता के हवाले छोड़ दिया गया। श्रद्धा कभी कम नहीं हुई, पर व्यवस्था हमेशा जर्जर रही।

अव्यवस्था का सच, जिसे नजरअंदाज किया गया

मणिकर्णिका की वास्तविक स्थिति से जिसने भी आंख मिलाई है, वह जानता है, शवदाह प्लेटफॉर्म असुरक्षित थे. लकड़ी खुले में बिखरी रहती थी. पूजा सामग्री और मुंडन स्थलों का कोई व्यवस्थित स्थान नहीं. बारिश में फिसलन और आग से दुर्घटनाओं का खतरा. गंगा में राख और अवशेषों का अनियंत्रित प्रवाह. शोक में डूबे परिजनों के लिए बैठने-ठहरने की न्यूनतम सुविधा तक नहीं. कोरोना काल ने इस अव्यवस्था को भयावह त्रासदी में बदल दिया था। तब भी यही राजनीतिक वर्ग मौन था। तब न संस्कृति याद आई, न परंपरा।

विकास की शुरूआत और विरोध का पुराना पैटर्न

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी को लेकर एक स्पष्ट दृष्टि रखी, विकास ऐसा हो, जो संस्कृति को चोट न पहुंचाए, बल्कि उसे और उजागर करे। काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। जिसे कभी तोड़फोड़ कहा गया, आज वही विश्वस्तरीय आध्यात्मिक धरोहर बन चुका है। नमो घाट, अस्सी घाट, शहर की सड़कें, लटकते बिजली के तार, हर बार वही आरोप लगे, हर बार वही विरोध हुआ, और हर बार वही विरोध आज मौन है। इतिहास गवाह है, जब - जब काशी बदली, तब - तब हंगामा हुआ।

मणिकर्णिका पुनर्निर्माणः उद्देश्य और सच्चाई

विजन काशी के तहत मणिकर्णिका घाट का कायाकल्प कोई आकस्मिक निर्णय नहीं था। पहले चरण में 35 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई। उद्देश्य बिल्कुल स्पष्ट है, अंतिम संस्कार के लिए सुरक्षित और विस्तृत प्लेटफॉर्म, स्वच्छता और जल निकासी की आधुनिक व्यवस्था, डोम समाज, पुरोहितों और शोकाकुल परिजनों के लिए मानवीय सुविधाएं. सरकार बार - बार स्पष्ट कर चुकी है न कोई मंदिर तोड़ा जा रहा है, न कोई पौराणिक संरचना नष्ट हो रही है। अहिल्याबाई होलकर की कृतियां पूर्णतः सुरक्षित हैं। सभी कलाकृतियां संस्कृति विभाग के संरक्षण में हैं और पुनर्निर्माण के बाद यथास्थान पुनः स्थापित होंगी। फिर शोर क्यों? क्योंकि जहां व्यवस्था आती है, वहां उपद्रव की दुकान बंद होती है।

एआई, डीपफेक और अफवाह का नया युग

इस पूरे प्रकरण में सबसे खतरनाक मोड़ तब आया, जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डीपफेक तकनीक का सहारा लेकर भ्रामक तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर फैलाए गए। कहीं मूर्तियों के टूटने के झूठे दृश्य, कहीं घाट को पूरी तरह ध्वस्त करने का दावा, कहीं यह नैरेटिव कि महाश्मशान को पर्यटन स्थल बनाया जा रहा है. जांच में सामने आया कि कई दृश्य एआई जनरेटेड, कुछ पुराने संदर्भों से काटकर पेश किए गए और कुछ पूरी तरह काल्पनिक थे। लेकिन डिजिटल युग में अफवाह की सबसे बड़ी ताकत है उसकी रफ्तार। सच जब तक जूते पहनता है, झूठ भीड़ जुटा चुका होता है।

पुलिसिया सख्तीः अफवाह अब अपराध

वाराणसी पुलिस और साइबर क्राइम यूनिट ने समय रहते इस खतरे को समझा। सोशल मीडिया अकाउंट्स की निगरानी बढ़ाई गई, भ्रामक कंटेंट फैलाने वालों को चिह्नित किया गया। स्पष्ट संदेश दिया गया, एआई और अफवाह के जरिए धार्मिक भावनाएं भड़काना गंभीर अपराध है। यह कार्रवाई केवल कानून - व्यवस्था नहीं, बल्कि सांस्कृतिक सुरक्षा का सवाल है।

योगी की मौजूदगीः प्रतीक और संदेश

इसी पृष्ठभूमि में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मणिकर्णिका घाट पहुंचना एक गंभीर सांस्कृतिक वक्तव्य था। उन्होंने घाट पर खड़े होकर कहा कि काशी को बदनाम करने की कोशिशें नई नहीं हैं। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के समय भी भ्रम फैलाया गया था, लेकिन आज वही कॉरिडोर काशी की पहचान बन चुका है। मुख्यमंत्री की मौजूदगी ने साफ कर दिया कि सरकार निर्णय हवा में नहीं, महाश्मशान की अग्नि को साक्षी बनाकर ले रही है।

सियासत और खोई जमीन की तलाश

राजनीतिक दृष्टि से यह विवाद कुछ दलों के लिए अवसर बनता दिखा, संस्कृति बनाम सरकार का नैरेटिव गढ़कर खोई हुई जमीन वापस पाने की कोशिश। लेकिन काशी भावनात्मक जरूर है, भोली नहीं। वह जानती है कि कौन उसकी आत्मा की चिंता कर रहा है और कौन उसकी चिता पर राजनीति की रोटी सेंकना चाहता है।

लेखनी, विद्वान और संस्कृति की जिम्मेदारी

इस पूरे विमर्श में आत्ममंथन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी बुद्धिजीवियों और लेखकों की है। संस्कृति की रक्षा भावनात्मक नारों से नहीं होती। बिना तथ्यों की पुष्टि, यदि लेखनी भ्रम फैलाती है, तो वह संस्कृति की सेवा नहीं, उसका नुकसान करती है। संस्कृति कोई जड़ संग्रहालय नहीं, बल्कि जीवंत प्रवाह है। उसे रोकना भी उतना ही घातक है, जितना उसे नष्ट करना।

50,000 करोड़ का सच और काशी का भविष्य

काशी में अब तक लगभग 50,000 करोड़ रुपये के विकास कार्य हो चुके हैं। यह पैसा काशी की आत्मा बेचने के लिए नहीं, बल्कि उसकी गरिमा लौटाने के लिए खर्च हुआ है। आज काशी वैश्विक धार्मिक पर्यटन का केंद्र बन रही है, रोजगार का बड़ा स्रोत बन रही है, अव्यवस्था से निकलकर व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। सवाल अब मणिकर्णिका का नहीं, मानसिकता का है, क्या काशी को चिता की आग में छोड़ दिया जाए? या संवेदनशीलता, सम्मान और सुरक्षा के साथ उसका स्वरूप और सशक्त बनाया जाए?

चिता की आग और सत्य

मणिकर्णिका की चिता की आग केवल शरीर नहीं, झूठ और भ्रम को भी भस्म करती है। यह घाट न किसी पार्टी की बपौती है, न किसी नेता की ढाल। यह सनातन सत्य है, और सत्य को व्यवस्थित होने से डर नहीं लगता। जो लोग आज शोर मचा रहे हैं, वे काशी से नहीं, व्यवस्था से डर रहे हैं। और काशी अब डरने के दौर से निकल चुकी है। इतिहास साक्षी है, काशी कभी टूटने से नहीं, ठहर जाने से कमजोर हुई है। और हर बार शोर मचाने वाले अंततः इतिहास के हाशिए पर चले गए हैं। इस विवाद के बीच यही सबसे बड़ा सत्य उभरकर आता है कि काशी को न तो अफवाह समझ सकती है, न सियासत। काशी को समझने के लिए उसकी आत्मा समझनी होगी, जहां मृत्यु भी सत्य बोलती है और जहां अंततः झूठ राख हो जाता है। मणिकर्णिका आज भी वहीं है, अडिग, शाश्वत। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार चिता के चारों ओर खड़े लोग नहीं, बल्कि शब्द, तस्वीरें और नैरेटिव जल रहे हैं। और काशी साक्षी है कि अंत में बचेगा वही, जो सत्य है।

महाश्मशान की आत्मा और काशी की स्मृति

काशी में मृत्यु भी एक उत्सव है, एक दर्शन है, एक शाश्वत संवाद है। यहां जीवन का अंत शून्य नहीं, बल्कि मुक्ति का द्वार माना गया है। इसी काशी में गंगा के पावन तट पर स्थित मणिकर्णिका घाट, जिसे महाश्मशान कहा गया, सदियों से यह घोषणा करता आया है कि संसार नश्वर है, सत्य ही शाश्वत है। लेकिन विडंबना यह है कि आज वही मणिकर्णिका मृत्यु या मोक्ष के कारण नहीं, बल्कि अफवाह, सियासत, डिजिटल भ्रम और सांस्कृतिक राजनीति के कारण राष्ट्रीय बहस के केंद्र में है। यह विवाद केवल एक घाट के निर्माण या पुनरुद्धार का नहीं है। यह विवाद उस प्रश्न का है कि क्या आस्था को जड़ बनाकर रखा जाए या उसे समय के साथ संवेदनशील रूप से आगे बढ़ाया जाए? और इससे भी बड़ा प्रश्न यह कि क्या संस्कृति की रक्षा के नाम पर झूठ, अफवाह और भय का सहारा लिया जा सकता है? मणिकर्णिका घाट केवल ईंट-पत्थर का ढांचा नहीं। यह सनातन स्मृति का वह बिंदु है, जहां शिव स्वयं तारक मंत्र देते हैं, ऐसी मान्यता है। यहां चिता की आग कभी बुझती नहीं। यहां राजा और रंक, विद्वान और अनपढ़, सभी एक समान हो जाते हैं। यही समता, यही शाश्वत सत्य मणिकर्णिका को अद्वितीय बनाता है। परंतु समय के साथ इस घाट की भौतिक स्थिति बदहाल होती चली गई। संकरी गलियां, जर्जर प्लेटफॉर्म, अव्यवस्थित दाह संस्कार स्थल, गंदगी और असुरक्षाकुये सब उस स्थान की गरिमा के साथ अन्याय थे, जिसे मोक्ष का द्वार कहा गया। सवाल यह है कि क्या इन अव्यवस्थाओं को ढोते रहना ही परंपरा की रक्षा है?

अफवाह के युग में विवेक की जरूरत

यह पूरा प्रकरण हमें चेतावनी देता है कि डिजिटल युग में आस्था सबसे आसान निशाना है। एआई और सोशल मीडिया ने झूठ को विश्वसनीय बनाने के नए औजार दे दिए हैं। ऐसे में सरकार, समाज, मीडिया और बुद्धिजीवियोंकृसभी की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। कहते हैं भगवान शिव ने मणिकर्णिका घाट अपने रहने के लिए बसाया था. जब ये घाट बसा तो गंगा नहीं थी, बल्कि एक कुंड हुआ करता था. स्नान करते वक्त भगवान शिव के कान का कुंडल उस कुंड में गिर गया और तब से इसका नाम मणिकर्णिका पड़ गया. अब चूंकि भगवान शिव यहां वास करते हैं, इसलिए यहां मृत्यु को भी मंगल माना जाता है. मणिकर्णिका घाट का पुनर्निर्माण नगर निगम के तहत कार्यदायी संस्था द्वारा 18 करोड़ की लागत से किया जा रहा है. मान्यता है कि मान्यता है कि औघड़ रूप में शिव यहां विराजते हैं.

...ताकि चिता की राख घरों में न जाए

मॉनसून में पूरा घाट जलमग्न होता है, लेकिन पुनर्निर्माण के बाद ये मुश्किल दूर हो जाएगी. गंगा के अधिकतम जलस्तर से ऊपर दो स्तर प्लेटफॉर्म तैयार कराए जाएंगे. निचले स्तर पर 18 प्लेटफॉर्म होंगे और ऊपर वाले स्तर पर 19. चिता जलाते वक्त निकलने वाले धुएं के लिए खास इंतजाम किए जा रहे हैं. इस श्मशान घाट पर 25 मीटर ऊंची चिमनी लगाई जाएगी, ताकि चिता की राख हवा के साथ उड़ जाए और आसपास के घरों में न जाए. दाह संस्कार क्षेत्र में वेटिंग एरिया और चेंजिंग रूम का भी निर्माण कराया जा रहा है. पुनर्निर्माण के बाद मणिकर्णिका घाट पर आखिरी संस्कार से जुड़े हर रिवाजों के लिए अलग इंतजाम किए जा रहे हैं. शवों के स्नान के लिए जलकुंड के साथ मुंडन क्षेत्र बनाया जा रहा है. साथ ही लकड़ी भंडारण क्षेत्र का निर्माण किया जाएगा. इस घाट पर दो सामुदायिक शौचालय का निर्माण भी कराया जाएगा. पूरा निर्माण कार्य चुनार और जयपुर के पत्थरों से किया जाएगा.

कलयुग के ये सबल हथियार - झूठ अफवाह और दुष्प्रचार

-तनवीर जाफरी

-तनवीर जाफरी

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो व उनकी पत्नी का राजधानी कोराकस से गत 3 जनवरी को अपहरण कर ड्रग्स तस्करी को बढ़ावा देने के नाम पर जिसतरह उन्हें न्यूयॉर्क ले जाया गया और उसके फौरन बाद जिसतरह ईरान पर अमेरिकी हमले की भूमिका तैयार करने के लिये ईरान में पिछले दिनों चले कथित सत्ता विरोधी प्रदर्शनों को प्रचारित व प्रसारित किया गया इन घटनाओं इनसे जुड़ी जमीनी सच्चाई ने एक बार फिर यह बहस छेड़ दी है कि क्या अब यह दुनिया पूरी तरह से झूठ,अफवाह व दुष्प्रचार की गिरफ़्त में आ चुकी है ? क्या आज की दुनिया में झूठ, दुष्प्रचार और अफवाहें बहुत बड़ी ताकत बन चुकी हैं। इतनी बड़ी ताकत कि इनके बल पर कहीं चुनाव परिणाम भी उलट सकते हैं ? अपने देश के विपक्ष या किसी देश की सत्ता को बदनाम किया जा सकता है ? कहीं गृह युद्ध की आग भड़काई जा सकती है ? इसी के बल पर किसी देश को परमाणु हथियार रखने वाला तो किसी को केमिकल हथियार रखने वाला देश बताकर उस देश को ही तहस नहस किया जा सकता है ? किसी स्वाभिमानी देश या शासक को नीचा दिखाने के लिये उसे तानाशाह या जनविरोधी कुछ भी बताकर वहां खूनी इबारत लिखी जा सकती है ?

निश्चित रूप से झूठ,अफवाह और दुष्प्रचार सत्ता व राजनीति का हमेशा से ही प्रबल हथियार रहा है। खुद जर्मन तानाशाह हिटलर इसे एक प्रभावी हथियार मानता था । हिटलर का मानना था कि ₹हमेशा एक ही बात को दोहराओ, चाहे वो कितनी भी सरल क्यों न हो।₹ वह कहता था कि ₹प्रोपेगैंडा में सच्चाई को थोड़ा-सा मिलाकर झूठ को और प्रभावी बनाया जा सकता है।₹ और उसी का मत यह भी था कि ₹झूठ इतना बड़ा होना चाहिए कि कोई सोचे भी नहीं कि कोई इतना बड़ा झूठ बोल सकता है।₹ खुद हिटलर ने इसी नीति का इस्तेमाल यहूदियों के विरुद्ध कर दुनिया का सबसे बड़ा नरसंहार अंजाम दे डाला। इसी तरह 2002-2003 का वह दौर याद कीजिये जब अमेरिका ने तत्कालीन इराकी राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन पर रासायनिक हथियार और अन्य सामूहिक विनाश के हथियार रखने का गंभीर आरोप लगाया था। इस आरोप को अमेरिका ने इतना प्रचारित किया था कि इसी आधार पर मार्च 2003 में अमेरिका ने इराक पर हमला तक कर दिया। सद्दाम को अपदस्थ कर उसे सामूहिक हत्या के दूसरे मामले में फांसी के फंदे पर चढ़ा दिया। बाद में रिपोर्ट आई कि इराक के पास कोई सक्रिय या बड़े पैमाने पर रासायनिक हथियारों का भंडार नहीं मिला। कोई रासायनिक हथियार उत्पादन, कोई श गैस का बड़ा भंडार, कोई मोबाइल बायोलॉजिकल लैब आदि कुछ भी नहीं मिला। यहां तक कि अमेरिका ने बाद में खुद यह स्वीकार भी किया कि उसकी खुफिया जानकारी गलत थी। इराक पर हमले का आदेश देने वाले तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज बुश ने भी उस समय यही कहा था कि 'वे भी निराश हैं'। कई अमेरिकी अधिकारी और पूर्व खुफिया प्रमुखों ने इसे खुफिया विफलता₹ यानी ,ल्लइी',ल्लू fÔilure भी कहा। परन्तु तब तक तो झूठ अफवाह और दुष्प्रचार का निशाना सद्दाम हुसैन बन चुके थे। उसके बाद इसी बहाने इराक से तेल दोहन से लेकर इराक को अस्थिर व तबाह करने तथा वहां अमेरिकी सैन्य बेस बनाने तक के कई खेल खेले गए। अमेरिका द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलास मदुरो पर भी मुख्य रूप से नारको-टेररिज्म,कोकीन आयात की साजिश , मशीन गन और विनाशकारी उपकरणों का कब्जा और उपयोग तथा मनी लॉन्ड्रिंग और हथियारों की साजिश जैसे आरोप लगाए हैं। परन्तु उन्होंने मादुरो की गिरफ़्तारी के फौरन बाद ट्रंप ने कहा - कि अमेरिका वेनेजुएला को संचालित करेगा , खासकर इसके तेल भंडार और तेल उद्योग को। जब तक कि वहां सुरक्षित और उचित व्यवस्था नहीं हो जाती । ट्रंप ने यह भी कहा कि बड़ी अमेरिकी तेल कंपनियां अरबों डॉलर निवेश करेंगी, देश के खराब हो चुके तेल इंफ्रास्ट्रक्चर को ठीक करेंगी, और उत्पादन बढ़ाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि वेनेजुएला के पास दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडार (लगभग 303 अरब बैरल) हैं, और अमेरिका अब इनका नियंत्रण लेगा, तेल बेचेगा, और इससे होने वाली कमाई अमेरिका व वेनेजुएला के लोगों के फायदे में इस्तेमाल होगी। गोया क्या सद्दाम की ही तरह निकोलास मदुरो पर लगाया गया आरोप भी झूठ अफवाह और दुष्प्रचार पर आधारित था। असल मकसद वेनेजुएला के तेल भंडार पर नियंत्रण ही था ?

इसी तरह पिछले दिनों ईरान में हुये विरोध प्रदर्शनों को भी पश्चिम मीडिया खासकर इस्राईल व अमेरिका द्वारा बढ़ा चढ़ाकर प्रचारित किया जाने लगा। ईरान में 2022 में हुये महसा अमीनी आंदोलन से लेकर हाल के आर्थिक विरोध प्रदर्शनों तक को लेकर पश्चिमी मीडिया में बढ़ा-चढ़ाकर प्रचारित करने के काफी सबूत और आरोप मिलते हैं, और इसमें अमेरिका व इजराइल की भूमिका प्रमुखता से दिखाई देती है। उदाहरण के तौर पर पिछले दिनों के ईरान के प्रदर्शन महंगाई और मुद्रा संकट को लेकर यानी आर्थिक कारणों से शुरू हुये थे उन्हीं प्रदर्शनों में सत्ता बदलने की मांग होने लगी। आरोप है कि अमेरिका-इजराइल फंडिंग पर चलने वाले कई पश्चिमी मीडिया ने इन प्रदर्शनों में हुई मौतों की संख्या को बहुत बढ़ा-चढ़ाकर बताया। यहाँ तक कि 2,000 से लेकर 20,000 प्रदर्शनकारियों तक की मौत होने के झूठे आंकड़े दे दिए गये । अल जजीरा की एक रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि इजराइल से जुड़े नेटवर्क ने हैशटैग और नैरेटिव को कृत्रिम बढ़ावा दिया, ताकि ऐसा लगे कि विरोध बहुत बड़ा है और जनता में ₹व्यापक सहमति₹ है। यह ₹२३१ङ्क३४थ्ल्लॅर₹ कहा जाता है। इजराइली चैनल 12 के विश्लेषक एहुद यारी ने खुद माना कि इजराइली मीडिया ने ईरान के वर्तमान शासन के पतन की अफवाहें बहुत बढ़ा-चढ़ाकर फैलाईं, और बाद में मुआफी मांगी कि प्रदर्शन कम हो गए हैं और सरकार के नियंत्रण में हैं । रूस और चीन की मीडिया ने भी इसे ईरान विरोधी प्रोपेगंडा व ₹पश्चिमी दुष्प्रचार₹ बताया। जबकि ठीक इसके विपरीत पूरे ईरान में लाखों लोग वर्तमान ईरानी सत्ता खासकर सुप्रीम लीडर आयतुल्ला अली खामनेई के समर्थन में व अमेरिका इस्राईल के विरोध में सड़कों पर उतरे। उसे इसी पश्चिमी मीडिया द्वारा नजरअंदाज किया गया। लिहाजा कहना गलत नहीं होगा कि झूठ अफवाह और दुष्प्रचार आज पहले से कहीं ज्यादा शक्तिशाली और खतरनाक हथियार बन चुका है। और दुर्भाग्य से सच और झूठ की इस लड़ाई में निःसंदेह झूठ,अफवाह और दुष्प्रचार काफी तेज और बहुत आगे चल रहा है।

राष्ट्रीय हिन्दू सेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष ललित माली की माताजी स्व. फूलिबाई माली की शोकसभा आज

पालघर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय हिन्दू सेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष ललित माली की माताजी स्व. फूलिबाई माली की शोकसभा सोमवार 19 जनवरी 2026 को बोईसर शहर के चित्रालय में किया जायेगा। बतादें कि ललित माली की माताजी धाणदा (रानी) निवासी स्वर्गीय फूलिबाई धर्मपत्नी स्व. पुखराज जी माली का निधन दिनांक 30 दिसंबर 2025 (मंगलवार) को हो गया था। उनके निधन से परिवार सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त हो गई है। स्व. फूलिबाई माली सरल, धर्मपरायण, स्नेहिल एवं मिलनसार स्वभाव की महिला थीं। उनके संस्कार, सेवा भाव और स्नेहपूर्ण व्यवहार को परिवारजनों, रिश्तेदारों एवं समाज के लोगों द्वारा सदैव स्मरण किया जायेगा। उन्होंने अपने जीवन से पारिवारिक एवं सामाजिक मूल्यों की गहरी छाप छोड़ी है। दिवंगत आत्मा की शांति के लिए शोकसभा का आयोजन आज दिनांक 19 जनवरी 2026 (सोमवार) को प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक किया गया है। शोकसभा का स्थल सहजीवन सोसायटी, फ्लैट नं. 06, प्रथम तल, चित्रालय, बोईसर रहेगा। राष्ट्रीय हिन्दू सेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष ललित माली की ओर से समस्त इष्ट-मित्रों, सामाजिक संगठनों से शोकसभा में उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करने का विनम्र आग्रह किया गया है।

बोईसर में आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन, सैकड़ों नागरिकों ने लिया लाभ

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। शिवतेज मित्र मंडल के अध्यक्ष, केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष, बोईसर स्टेशन प्रमुख सलाहकार तथा उत्तर भारतीय मोर्चा भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य तुलसीराम केवट के नेतृत्व में शुक्रवार 16 जनवरी 2026 को सुबह 10.30 बजे से शाम 6 बजे तक एक दिवसीय स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया।

यह शिविर बोईसर के प्रसिद्ध आरोग्य संपदा आयुर्वेदिक हेल्थ सेंटर, बोईसर के सहयोग से तथा हेल्थ कोच डॉ. योगेश बनकर की विशेष उपस्थिति में संपन्न हुआ। शिविर में नागरिकों को स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न बीमारियों पर निःशुल्क परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। आरोग्य शिविर में डॉक्टरों की विशेषज्ञ टीम में डॉ. वसंत बोरुडे, डॉ. योगेश बनकर व नारायण आमरे शामिल रहे। आयुर्वेदिक पद्धति के माध्यम से रोगों की जांच, जीवनशैली सुधार और स्वास्थ्य संरक्षण पर विस्तृत जानकारी दी गई, जिसका लाभ बड़ी संख्या में नागरिकों ने उठाया। इस शिविर को सफल बनाने में उद्योजक गिरजेश सिंह, आनंद परंडवाल, राजीव रंजन सिंह, राकेश सिंह राय, धर्मेंद्र शाह, संजय मास्टर, केशव यादव, मूरत सिंह, सर्वेश सिंह, बाबू सिंह, राम सिंह, संजय बावरे, अनिल पटेल, कृष्णा साहनी, संतोष साहनी, राजेश बिंद, सोनू जहांगीर, राजू सिंह, अर्जुन नीलगम, पप्पू सिंह, सुनील लांडे, शिवाजी कदम, मनीष सिंह, जेपी चौहान, अजय ठाकुर, पवन यादव, शंकर सैनी, गणेश चौहान, बजरंग राय, विनय पाण्डेय, राजीव यादव, शिवम सिंह, सूर्य नारायण, आनंद सहित अनेक कार्यकताओं का विशेष योगदान रहा। इस स्वास्थ्य जांच शिविर के आयोजक ने बताया कि भविष्य में भी इस प्रकार के जनहितकारी स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन कर आम नागरिकों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने का प्रयास आगे भी जारी रहेगा।

जनता दल (यूनाइटेड), दिल्ली प्रदेश इकाई द्वारा भव्य मकरसंक्रांति महोत्सव एवं पारंपरिक दही-चूड़ा भोज का आयोजन

मुंबई/दिल्ली। जनता दल (यूनाइटेड), दिल्ली प्रदेश इकाई द्वारा प्रदेश अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में रविवार, 18 जनवरी 2026 को दही-चूड़ा भोज कार्यक्रम मकरसंक्रांति महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन अत्यंत उत्साह, उल्लास एवं सांस्कृतिक गरिमा के साथ संपन्न हुआ।कार्यक्रम में दिल्ली प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से हजारों की संख्या में लोगों ने सहभागिता की, जिनमें विशेष रूप से बिहार व यूपी के लोगो की उल्लेखनीय भागीदारी देखने को मिली। उपस्थित जनसमूह ने अपनी परंपरा, लोक-संस्कृति और आस्था से जुड़े इस पर्व को पूरे उत्साह के साथ मनाया तथा दही-चूड़ा भोज के माध्यम से सांस्कृतिक एकता का संदेश दिया।

इस अवसर पर जनता दल (यूनाइटेड) दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार ने मीडिया संबोधन में कहा कि बिहार की लोकपरंपरा का ख्याल करते हुए जदयू दिल्ली परिवार ने इस भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। दिल्ली में बिहार यूपी के लोगो को भागीदारी बहुतायत है और आज के कार्यक्रम ने इनकी भागीदारी ने यह साबित किया कि हमसब एकजुट हैं। कार्यक्रम में वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि,कार्यकर्ता एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मकरसंक्रांति के सांस्कृतिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने आगे ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी भाईचारे, समरसता और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करते हैं।

भिवंडी में प्रस्थापित नेताओं का दबदबा कायम

◆दिग्गज नेताओं के 25-30 साल पुराने राजनीतिक गढ़ सुरक्षित, जनसंपर्क और व्यक्तिगत पकड़ बनी जीत की कुंजी

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका चुनाव में एक बार फिर यह साबित हो गया कि नगर निगम की राजनीति में वर्षों से बनी व्यक्तिगत छवि, सामाजिक पकड़ और मजबूत जनसंपर्क सबसे बड़ा हथियार है। पिछले 25 से 30 वर्षों से सक्रिय प्रस्थापित नेताओं ने अपने-अपने राजनीतिक गढ़ सुरक्षित रखते हुए शानदार जीत दर्ज की है।

इस चुनाव में पूर्व महापौर जावेद दलवी ने लगातार आठवीं बार जीत हासिल कर नया रिकॉर्ड बनाया। बंदर मोहल्ला, सौदागर मोहल्ला, बाजारपेठ और ब्राह्मण आळी क्षेत्र में सभी धर्मों के नागरिकों से मजबूत जनसंपर्क के बल पर उन्होंने भिवंडी विकास आघाड़ी के माध्यम से विजय प्राप्त किया। वरिष्ठ नगरसेवक संतोष शेट्टी ने पद्मानगर क्षेत्र में छठी बार जीत दर्ज करते हुए डबल हैट्रिक पूरी की। 1995 से शुरू हुआ उनका राजनीतिक सफर आज भी जारी है। हर चुनाव में चुनौती मिलने के बावजूद पद्मशाली समाज को साथ लेकर चलने की रणनीति उनके लिए सफल रही।बालाराम चौधरी और मनोज काटेकर ने टेमघरझकामतघर क्षेत्र में डबल हैट्रिक जीत दर्ज की। वहीं भाजपा के नारायण टावरे, निलेश चौधरी और प्रकाश टावरे ने ताड़ाली और नारपोली क्षेत्र में लगातार छठी बार विजय हासिल की। यशवंत टावरे ने लगातार तीसरी जीत दर्ज की।कांटे की टक्कर और बड़े अंतर की जीत पालिका चुनाव में कई सीटों पर मुकाबला बेहद रोमांचक रहा।चार उम्मीदवारों ने 100 से कम मतों से जीत दर्ज की। प्रभाग 6 (अ) में भाजपा के वैभव भोईर ने भिवंडी विकास आघाड़ी के परवेज मोमीन को 98 मतों से हराया। प्रभाग 6 (ब) में भिवंडी विकास आघाड़ी की रिशिका राका ने भाजपा की दक्षाबेन पटेल को 27 मतों से पराजित किया। प्रभाग 7 (क) में कांग्रेस की रेश्मा अंसारी ने सपा की दीपाली भाई को 74 मतों से हराया।

प्रभाग 22 (क) में अपक्ष नितेश नामदेव ऐनकर ने भाजपा के श्याम अग्रवाल को 21 मतों से हराया, जहां पुनर्मतगणना की मांग को लेकर मतगणना केंद्र पर हंगामा भी हुआ। 5 हजार से अधिक मतों से बड़ी जीत प्रभाग 23 में भाजपा के नारायण रतन चौधरी ने अपक्ष रविकांत पाटील को 7,038 मतों से करारी शिकस्त दी। वहीं प्रभाग 9 में कांग्रेस के मोमिन तारीक अब्दुल बारी ने शिवसेना नेता संजय म्हात्रे को 5,231 मतों से हराकर बड़ी जीत दर्ज की। भिवंडी पालिका चुनाव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि स्थानीय राजनीति में पार्टी से ज्यादा चेहरा और भरोसा निर्णायक होता है।

नवनिर्वाचित नगरसेवक ने सुनी नागरिकों की समस्या

मुंबई। मनपा चुनाव का परिणाम घोषित हो चुका है । वहीं रिजल्ट आने के 24 घंटे से भी कम समय में, घाटकोपर के एक नगरसेवक धर्मेश गिरी ने एक जनप्रतिनिधि के तौर पर अपने वार्ड के लोगों की समस्याओं को सुलझाने का काम शुरू कर दिया है। बता दें कि घाटकोपर पूर्व वार्ड नंबर 130 से जीते भाजपा प्रत्याशी धर्मेश गिरी ने अभी से ही एक सच्चे जनप्रतिनिधि के तौर पर लोगों की समस्या करने पर जोर दिया है और संपूर्ण वार्ड का दौरा करके नागरिक समस्याओं को हल करने का प्रयास शुरू कर दिया है। बताया जाता है कि पिछले कई महीनों से नित्यानंद नगर में शिव छत्रपति सोसाइटी के रहने वाले लोग समस्या का सामना कर रहे हैं। जैसे ही धर्मेश गिरी को इस बारे में जानकारी मिली, उन्होंने तुरंत वार्ड का दौरा किया और सोसाइटी के लोगों की बताई समस्या पर ध्यान दिया।

गिरी ने संबंधित सोसाइटी के डेवलपर्स से बात की और एक मीटिंग बुलाई। स्थानीय नागरिकों के साथ, गिरी ने डेवलपर योगेश मेहता के साथ मीटिंग की और सभी समस्या को सुलझाने का प्रयास शुरू किया है। इस दौरान नागरिकों ने नवनिर्वाचित नगरसेवक धर्मेश गिरी को बधाई भी दी है।

पार्कसाईट में श्रीमद् भागवत कथा से पूर्व निःशुल्क मेडिकल कैंप संपन्न

आदेश मिश्र

मुंबई(उत्तरशक्ति)। विक्रोली पार्कसाईट के हनुमान नगर स्थित श्री वीर हनुमान मंदिर प्रांगण में ॐ नारायण सत्संग मंडल द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का भव्य आयोजन चल रहा है। यह कथा प्रतिदिन सायं 7 बजे से रात्रि 10 बजे तक वृंदावन से पधारे बालव्यास परम पूज्य श्री निशांत कृष्ण शास्त्री जी महाराज के मुखारविंद से श्रवण कराई जा रही है। कथा के दौरान महाराज जी ने परीक्षित जन्म प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन करते हुए बताया कि किस प्रकार भगवान श्रीकृष्ण ने उत्तरा के गर्भ में अंगूठे के समान सूक्ष्म रूप धारण कर महाराज परीक्षित की रक्षा की। इस मार्मिक प्रसंग को सुनकर श्रद्धालु श्रोता भाव-विभोर हो उठे। कथा आयोजन के अंतर्गत ॐ नारायण सत्संग मंडल द्वारा दिनांक 18 जनवरी 2026 दोपहर को एक निःशुल्क मेडिकल चेकअप कैंप का भी आयोजन किया गया। यह शिविर मंडल के उपसचिव डॉ. चंद्रकेश विश्वकर्मा के प्रयासों से उनकी चिकित्सकीय टीम द्वारा संपन्न हुआ। मेडिकल कैंप में डॉ. अरुण दुबे, डॉ. आर.आर. सोनी, डॉ. ए.के. उपाध्याय तथा नेत्र परीक्षण हेतु विशेष रूप से डॉ. सोनिया एम. कोठारी ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। शिविर में शुगर, ब्लड प्रेशर, नेत्र परीक्षण सहित विभिन्न रोगों की निःशुल्क जांच की गई, जिसमें सैकड़ों लोगों ने लाभ उठाया। साथ ही मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु नाममात्र शुल्क पर 75% तक की छूट देने का परामर्श भी चिकित्सकों द्वारा दिया गया।

इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष अरविंद शुक्ला, सचिव अजय पाण्डेय, प्रवक्ता विमलेश मिश्रा, निलेश तिवारी, भोलानाथ मिश्रा, संजय पाण्डेय, तुकाराम माने ,हरिनाथ यादव, संजय मिश्रा, दिनेश सिंह, अंबुज सिंह, पत्रकार आदेश मिश्र सहित मंडल के अन्य लोगों ने आयोजन को सफल बनाने में लगे रहे। तथा आए हुए सभी चिकित्सकों का रामनामी शाल भेंट कर स्वागत किया कर उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

मुंबई महानगरपालिका चुनाव में माटुंगा वार्ड 177 से ऐतिहासिक जीत

संजय मिश्रा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई महानगरपालिका के माटुंगा वार्ड क्रमांक 177 से नगरसेविका कल्पेशा जैसल कोठारी ने भारी मतों से शानदार एवं ऐतिहासिक जीत हासिल की है। इस जीत से पूरे वार्ड में उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला। उनकी इस जीत पर बधाई देने के लिए कालिदास कोलंबकर (आमदार), कैप्टन सिल्वन (आमदार), मिहिर कोटेजा (आमदार) सहित कई गणमान्य नेता उपस्थित रहे। सभी ने नगरसेविका को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और सफल कार्यकाल की कामना की। इसके साथ ही समाजसेवक अनिल पटेल सुनील , संजय,तथा अन्य सामाजिक कार्यकताओं एवं सभी पदाधिकारियों ने भी नगरसेविका कल्पेशा जैसल कोठारी को जीत की बधाई दी और उनके जनसेवा कार्यों की सराहना की। नगरसेविका कल्पेशा जैसल कोठारी ने अपनी इस जीत पर वार्ड क्रमांक 177 की समस्त जनता, सभी समाज के लोगों, पदाधिकारियों, कार्यकताओं और समर्थकों का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत जनता के विश्वास, प्रेम और समर्थन की जीत है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे वार्ड के विकास, नागरिक सुविधाओं और हर वर्ग के कल्याण के लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करती रहेंगी।

कामतघर में एकछत्र राज के शिल्पकार मनोज काटेकर दंपति की डबल हैट्रिक

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका की बेहद रोचक और प्रतिष्ठित मानी जा रही चुनावी जंग में कुछ परंपरागत वार्डों में स्थानीय दिग्गजों ने एक बार फिर अपना दबदबा कायम रखा है। इसी कड़ी में कामतघर इलाके से शिवसेना के वरिष्ठ नेता व पूर्व उपमहापौर मनोज काटेकर और उनकी पत्नी वंदना काटेकर ने लगातार जीत दर्ज करते हुए डबल हैट्रिक लगाकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कामतघर क्षेत्र का पिछले 35 वर्षों से नेतृत्व कर रहे शिवसेना के मजबूत स्तंभ मनोज काटेकर ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत वर्ष 1991 में की थी। उन्होंने पहली बार कामतघर वार्ड से शिवसेना के चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। दो-सदस्यीय, तीन-सदस्यीय और बाद में चार-सदस्यीय वार्ड संरचना में भी उन्होंने कामतघर, चौधरी कंपाउंड, भारत कॉलोनी, ओसवालवाड़ी, साई प्रसन्न सोसायटी और अजमेर नगर जैसे इलाकों में विकास कार्यों के दम पर अपना वर्चस्व बनाए रखा। इसी के साथ वर्ष 1996 से उनकी पत्नी वंदना मनोज काटेकर भी उनके साथ चुनावी मैदान में उतरीं और लगातार विजय प्राप्त करती रहीं। भिवंडी के राजनीतिक इतिहास में डबल हैट्रिक लगाने वाले पति-पत्नी के रूप में काटेकर दंपति का नाम विशेष रूप से दर्ज हो गया है। कामतघर स्थित शिवसेना शाखा का जनसंपर्क कार्यालय आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा तत्पर रहता है। क्षेत्र में आरसीसी सड़कें, नालियां, फुटपाथ, स्ट्रीट लाइट, स्वच्छता व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति और सौंदर्यीकरण जैसे कार्यों पर विशेष ध्यान दिया गया। इस ऐतिहासिक जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए मनोज काटेकर ने कहा कि यह विजय क्षेत्र में किए गए विकास कार्यों और नागरिकों द्वारा जताए गए भरोसे की जीत है।

फूड पॉइजनिंग से दो दर्जन मेहमानों की तबीयत बिगड़ी

◆हल्दी समारोह में बाहर से मंगाया गया था खाना

◆शादी समारोह कार्यक्रम टला

कल्याण (उत्तरशक्ति)। हल्दी समारोह में खाना खाने के बाद 40 से 50 मेहमानों को फूड पॉइजनिंग होने का चिंताजनक मामला सामने आया है। घटना कल्याण पश्चिम के खड़कपाड़ा स्थित मोहन प्राइड इमारत की है। दर्जनों मेहमानों की तबियत बिगड़ती देख परिजनों ने विवाह समारोह को रद्द कर दिया है।

जानकारी के अनुसार हल्दी समारोह में परोसा गया खाना बाहर से लाया गया था। वधु के परिजनों ने राज विकास पराठे-केसरिन कैटरिंग को खाने का आर्डर दिया था। रात करीबन 9:30 बजे मेहमानों को भोजन परोसा गया। हल्दी समारोह समाप्त हुआ, सभी लोग खाना खाकर अपने-अपने घर लौटे। वधु के पिता संचित बाविस्कर के अनुसार रात 12 बजे के बाद मेहमानों की तबियत बिगड़ने लगी। उल्टी और दस्त के कारण उन्हें विभिन्न अस्पतालों में भर्ती करवाना पड़ा। हल्दी समारोह में शामिल बुजुर्ग, छोटे बच्चे और तो और दुल्हन भी फूड पॉइजनिंग का शिकार हो गई। इस घटना से शादी को स्थगित करना पड़ा। लड़की के पिता ने बताया कि ऐन समय पर शादी स्थगित करने से उनका लाखों का नुकसान हुआ है। वहीं परिजनों ने केटरिंग सेवा की लापरवाही पर भी सवाल उठाया है। इस मामले में खड़कपाड़ा पुलिस के थाना इंचार्ज डा.अमरनाथ वाघमोड़े से संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि खाद्य पदार्थ का नमूना नहीं मिल पाया है, लेकिन हमारी टीम घटना की जांच कर रही है।

शिक्षा व्यक्तित्व विकास और समाज के समग्र उन्नयन में महत्वपूर्ण : लल्लन तिवारी

वसई (उत्तरशक्ति)। शिक्षा मानव जीवन का एक अनिवार्य अंग है जो व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास और समाज के समग्र उन्नयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शिक्षा के बिना व्यक्ति न केवल अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझने में असमर्थ रहता है, बल्कि वह अपने जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी कठिनाई महसूस करता है। शिक्षा से व्यक्ति को ज्ञान, कौशल और नैतिक मूल्यों की प्राप्ति होती है, जो उसे जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सफल बनाते हैं। देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान राहुल एजुकेशन द्वारा संचालित मदर मैरी इंग्लिश हाई स्कूल, नालासोपारा पश्चिम के वार्षिक समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए बोलते हुए चेयरमैन लल्लन तिवारी ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि शिक्षा के अनेक लाभ हैं। यह व्यक्ति को सोचने-समझने की क्षमता प्रदान करती है, जिससे वह समस्याओं का समाधान कर सकता है। शिक्षा से व्यक्ति आत्मनिर्भर बनता है और रोजगार के अवसर प्राप्त करता है, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

इसके अलावा, शिक्षा सामाजिक समरसता और सहिष्णुता को बढ़ावा देती है, जिससे समाज में शांति और सद्भाव बना रहता है। शिक्षा से व्यक्ति अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होता है और सामाजिक अन्याय के खिलाफ आवाज उठा सकता है। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, राहुल एजुकेशन के मैनेजर देवाशीष शहा, कमल झा तथा अभय शंकर सिंह विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। बच्चों को पुरस्कार वितरण किया गया। स्कूल की प्रिंसिपल ग्रेट मार्टिस ने समस्त लोगों

किआ इंडिया ने एविस लीजिंग के साथ किया समझौता

मुंबई। किआ इंडिया ने आज एविस लीजिंग के साथ एक समझौता (एमओयू) करने की घोषणा की है। यह साझेदारी किआ लीज प्रोग्राम के तहत की गई है, जिससे कंपनी की लीज और सब्सक्रिप्शन सेवाएँ और मजबूत होंगी। एविस लीजिंग के साथ यह किआ इंडिया की तीसरी बड़ी साझेदारी है, जो ग्राहकों को ज्यादा लचीले और आसान मोबिलिटी विकल्प देने की दिशा में एक अहम कदम है। इस साझेदारी के जरिए किआ उन ग्राहकों तक अपनी पहुंच बढ़ाना चाहती है, जो गाड़ी खरीदने के बजाय लीज या सब्सक्रिप्शन जैसे विकल्पों को प्राथमिकता देते हैं। इस मौके पर किआ इंडिया के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट (सेल्स एंड मार्केटिंग) अतुल सूद ने कहा, हम मानते हैं कि भारत में लीज और सब्सक्रिप्शन मॉडल ऑटो उद्योग के लिए एक अहम विकास का अवसर बनकर उभर रहा है। एविस लीजिंग के साथ हमारी साझेदारी किआ लीज को एक मजबूत और विस्तार योग्य प्लेटफॉर्म बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो ग्राहकों की बदलती जरूरतों को पूरा करेगा और पारंपरिक वाहन खरीद से आगे नए अवसर पैदा करेगा। ऐसे सहयोगों के माध्यम से हम भारत में अपने दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों के अनुरूप एक मजबूत और टिकाऊ मोबिलिटी बिजनेस तैयार करना चाहते हैं।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

आजमगढ़ में खड़े ट्रक में ट्रेलर और कार ने मारी टक्कर, दो की मौत

कोहरे का कहर: कार सवार 5 लोग घायल, बिहार से बरेली जा रहा था परिवार

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। रविवार की सुबह करीब साढ़े सात बजे मुबारकपुर थाना क्षेत्र के सठियांव के पास पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के 254 किलोमीटर पॉइंट पर यह दर्दनाक हादसा हुआ। घने कोहरे के कारण दृश्यता कम थी। पहले से खड़े एक ट्रक में पीछे से तेज रफ्तार ट्रेलर जा टकराया, वहीं ट्रेलर के पीछे चल रही कार भी उससे भिड़ गई। हादसे में ट्रेलर चालक और कार चालक की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रेलर चालक की पहचान समाचार लिखे जाने तक नहीं हो सकी है। कार चालक की पहचान बिहार के

लखीसराय निवासी 39 वर्षीय पवन कुमार मेहता के रूप में हुई है। कार में सवार अन्य पांच लोग 37 वर्षीय प्रभात कुमार मेहता, 65 वर्षीय विमला, 45 वर्षीय रमन, 55 वर्षीय बबिता और 49 वर्षीय रूपा मेहता गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को पुलिस ने तत्काल एंबुलेंस की मदद से मंडलीय अस्पताल पहुंचाया।

पुलिस के अनुसार कार सवार सभी लोग बिहार से बरेली जा रहे थे। हादसे के बाद एक्सप्रेसवे पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात सुचारू कराया और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

दो बाइकों की आमने–सामने टक्कर में एक की मौत, तीन की हालत गंभीर

सड़क हादसे में बुझ गया बेल्छा गांव का चिराग, सऊदी से लौटकर गांव में ही शुरू किया था काम

रियाजुल हक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के ग्राम पंचायत बेल्छा में बीती रात एक हृदयविदारक सड़क हादसे ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया है। बरगुदर पुल पर हुए एक भीषण एक्सीडेंट में 35 वर्षीय युवक इश्तियाक अहमद की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। हादसे की खबर जैसे ही गांव पहुंची, खुशियों वाले घर में चीख-पुकार मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, लाल मोहम्मद के पुत्र इश्तियाक अहमद (35) बीती रात अपने निजी काम से बाहर गए थे। देर रात वापस लौटते समय बरगुदर पुल के पास उनका संतुलन बिगड़ गया या किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से वे गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों और स्थानीय लोगों की मदद से जिला अस्पताल ले जाया गया जहाँ डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

इश्तियाक अहमद अपने परिवार के लिए उम्मीद की किरण थे। वे कुल 8 भाई-बहनों (6 भाई और 2 बहन) के भरे-पूरे परिवार में पांचवें नंबर पर थे। परिजनों ने बताया कि इश्तियाक काफी समय तक सऊदी अरब में रहकर मेहनत-मजदूरी करते थे। करीब एक साल पहले ही

वे अपने वतन और गांव वापस लौटे थे। उन्होंने गांव में ही रहकर मेहनत के दम पर वेल्डिंग का काम शुरू किया था ताकि अपने परिवार के करीब रह सकें। मौके पर पसरा सन्नाटा, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल। हादसे के बाद से ही मृतक के घर पर ग्रामीणों का तांता लगा हुआ है। इश्तियाक की माता और भाइयों का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में चूल्हा तक नहीं जला।

मौके पर मौजूद पूर्व प्रधान प्रतिनिधि रवि यादव ने अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा, इश्तियाक एक बेहद मिलनसार और मेहनती युवक था। सऊदी से लौटने के बाद वह गांव की तरक्की में अपना योगदान दे रहा था। उसका इस तरह चले जाना सिर्फ एक परिवार की हानि नहीं है, बल्कि पूरे गांव के लिए एक व्यक्तिगत दुख है।। बरगुदर पुल पर आए दिन होने वाले हादसों को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश और चिंता भी देखी गई। ग्रामीणों का कहना है कि रात के अंधेरे में पुल के पास पर्याप्त रोशनी और सुरक्षा संकेतों की कमी के कारण ऐसे हादसे हो रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इश्तियाक की मौत से बेल्छा गांव ने अपना एक होनहार बेटा खो दिया है।

बेसो नदी पुल के नीचे मिला युवक का शव

सिर पर चोट के निशान, पहचान नहीं हो सकी

आफताब आलम

मानीकलां,जौनपुर (उत्तरशक्ति)।

खेतासराय थाना क्षेत्र के जमदहां गांव में बर्दमार पुल के नीचे एक युवक का शव मिला है। लगभग 35 वर्षीय मृतक का शव बेसो नदी के पानी में पड़ा हुआ था। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया दोपहर में पुल के पास मौजूद लोगों ने पानी में शव देखा, जिसके बाद आसपास के गांवों में सूचना फैल गई। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नदी से बाहर निकाला। युवक के सिर पर चोट के निशान मिले हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान के लिए काफी प्रयास किए गए, लेकिन अभी तक उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है। मौके पर मौजूद लोगों की भीड़ भी शव की पहचान नहीं कर सकी। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया युवक की मौत पुल से गिरने के कारण होने की आशंका है। हालांकि, मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शराब व ज्वेलरी की दुकानों से चोरों ने लाखों में मॉल पर हाथ किया साफ, दुकानदारों में भय

सिकरारा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र के खपरहा बाजार में देर रात चोरों ने एक के बाद एक तीन दुकानों को निशाना बनाकर बड़ी वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने प्रमोद सेठ की ज्वेलरी दुकान, शिवशंकर तिवारी की देशी शराब की दुकान और संदीप सिंह की अंग्रेजी शराब की दुकान के ताले तोड़कर भारी मात्रा में सामान उठा ले गए। पीड़ित के मुताबिक चोरों ने ज्वेलरी दुकान से तीन किलो से अधिक चांदी के जेवर व पचीस से तीस ग्राम सोने के आभूषण जिनकी कीमत 15 लाख से अधिक बताई गई जिसे चोरों से साफ कर दिया। साथ ही शराब की दोनों दुकानों से भी नकदी व अन्य सामान चोरी हुआ है। बाजारवासियों की आशंका है कि चोर अर्टिगा कार में सवार होकर वारदात को अंजाम देने आए थे। शराब की एक दुकान में लगा सीसीटीवी कैमरा और डीवीआर भी चोरों ने तोड़-फोड़ कर साथ ले गए, जिससे सबूत मिटाने की कोशिश की गई है। घटना की सूचना मिलते ही 112 नंबर पर कॉल करने पर पुलिस मौके पर पहुंची। इसके कुछ देर बाद फोरेंसिक टीम ने भी दुकानों का निरीक्षण किया और जांच शुरू कर दी। पीड़ित ज्वेलरी के दुकानदार प्रमोद सेठ ने बताया कि वे रात में दुकान बंद कर पड़ोस में तेरहवीं कार्यक्रम में चले गए जिससे वे दुकान के आभूषणों का थैला ले जाना भूल गए। उन्होंने बताया कि वे नियमित रूप से दुकान बंद कर आभूषणों का थैला घर लेकर जाते थे, आज भूलवश नहीं ले जा सके जिससे चोरों ने हाथ साफ कर दिया। इसके अलावा देशी शराब की दुकान के शिवशंकर तिवारी और संदीप सिंह मौके पर पहुंचे और चोरी गए सामान का आकलन कर रहे थे। स्थानीय व्यापारियों और बाजारवासियों में दहशत का माहौल है। लोगों का कहना है कि बाजार में सुरक्षा के इंतजाम नाकाफी हैं, जिसके चलते ऐसी घटनाएं बढ़ रही हैं। पुलिस ने मामले की गहन छानबीन शुरू कर दी है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। अभी तक चोरों की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही वारदात का खुलासा कर आरोपियों को दबोचा जाएगा।

विमान में बम की सूचना से मचा हड़कंप, लखनऊ एयरपोर्ट पर हुई इमरजेंसी लैंडिंग

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। लखनऊ एयरपोर्ट पर रविवार सुबह उस समय अचानक हड़कंप मच गया, जब दिल्ली से बागडोगरा जा रहे विमान की लखनऊ एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई।

एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि विमान में बम होने की सूचना मिली थी। रास्ते में विमान के अंदर बम होने की सूचना मिलते ही आनन-फानन विमान की लखनऊ एयरपोर्ट पर लेंडिंग कराई गई। कुछ ही देर में बम निरोधक दस्ता , फायर ब्रिगेड टीम, मेडिकल टीम सहित अन्य सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंच गई और विमान को घेर लिया गया। वही विमान में सवार यात्रियों को जब इसकी जानकारी हुई तो वह दहशत में आ गए।

हालांकि लखनऊ एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराने के बाद आनन फानन विमान में सवार यात्रियों को सुरक्षित नीचे उतारकर बम निरोधक दस्ते ने विमान के अंदर सघन तलाशी शुरू कर दी। फिलहाल विमान के अंदर बम निरोधक दस्ते द्वारा गहनता से तलाश जारी है।

वहीं अन्य सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारी भी बारीकी से जांच

पड़ताल में जुटे हैं।एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि विमान के बाथरूम में किसी ने टिशू पेपर पर बम होने की बात लिखकर चिपका दी थी। इसके बाद बाथरूम पहुंचे किसी यात्री की उस पर नजर पड़ी तो उसने इसकी सूचना क्रू मेंबर को दी। तब इसकी जानकारी हुई औरआनन-फानन डीजीसीए को बताया गया। जिसके बाद विमान को नजदीकी एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करने का फैसला लिया गया। जिसके तहत लखनऊ एयरपोर्ट के एटीसी से संपर्क कर इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मांगी गई और सुबह करीब 9:15 बजे विमान को लखनऊ एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतार लिया गया। विमान के उतरते ही सुरक्षा एजेंसियों ने उसे घेर लिया और बम निरोधक दस्ते ने जांच पड़ताल शुरू कर दी। इस दौरान उस पर सवार क्रू मेंबर सहित कुल 237 यात्रियों की भी स्क्रीनिंग करते हुए गहनता से जांच की गई। फिलहाल विमान के अंदर बम निरोधक दस्ते द्वारा तलाशी जारी है।

पुनरीक्षण अभियान में डीएम ने किया बूथों का निरीक्षण

युवा-महिला व दिव्यांग मतदाताओं के पंजीकरण पर जोर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार गहन विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026

के अंतर्गत रविवार को विशेष अभियान तिथि 18 जनवरी 2026 को जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ.दिनेश चंद्र ने जनपद के विभिन्न मतदेय स्थलों का भ्रमण कर निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान विधानसभा क्षेत्र 366-जौनपुर अंतर्गत टी.डी. पी.जी. महिला कॉलेज स्थित बूथ संख्या 509 से 512, टी.डी. इंटर कॉलेज स्थित बूथ संख्या 498 से 504, सरस्वती शिशु मंदिर स्थित बूथ संख्या 458 से 467 तथा विधानसभा क्षेत्र 364-बदलापुर अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय पुरानी बाजार बदलापुर स्थित बूथ संख्या 137, 138 एवं 139 सहित अन्य बूथों पर बीएलओ द्वारा किए जा रहे मतदाता सूची के आलेख्य प्रकाशन एवं वाचन कार्य का अवलोकन किया गया।

इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी ने उपस्थित बीएलओ, बीएलए एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों से संवाद करते हुए निर्देशित किया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के अनुपालन में अधिक से अधिक फॉर्म-6 भरवाकर युवा मतदाताओं का पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही महिला एवं दिव्यांग मतदाताओं की सहभागिता को प्राथमिकता देने पर विशेष बल दिया गया।

इसी क्रम में जनपद के समस्त मतदेय बूथों पर बीएलओ द्वारा जनमानस की उपस्थिति में मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन एवं एएसडी सूची का वाचन किया गया, जिससे पारदर्शिता एवं जागरूकता सुनिश्चित की जा सके।

अपर पुलिस महानिदेशक वाराणसी जोन ने जौनपुर की रिजर्व पुलिस लाइन का किया निराक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में रविवार को पीयूष मोर्डिया, अपर पुलिस महानिदेशक वाराणसी जोन वाराणसी द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन, जनपद जौनपुर का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने पुलिस अधीक्षक जौनपुर डॉ. कौस्तुभ की उपस्थिति में रिजर्व पुलिस लाइन जौनपुर का गहनता से निरीक्षण किया। उन्होंने ने पुलिस लाइन परिसर में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों तथा पुराने भवनों के नवीनीकरण (Renovation) कार्य का बारीकी से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्य की

गुणवत्ता को उच्च स्तर पर बनाए रखने और सभी परियोजनाओं को निर्धारित समयावधि के भीतर पूर्ण करने के संबंध में संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस कर्मियों के कल्याण हेतु बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने और परिसर की साफ-सफाई व व्यवस्थाओं को और अधिक बेहतर बनाने पर जोर दिया। निरीक्षण के अवसर पर पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे, जिनमें मुख्य रूप से गोल्डी गुप्ता, सहायक पुलिस अधीक्षक (IPS)/क्षेत्राधिकारी नगर, सुश्री श्रृष्टि जैन, सहायक पुलिस अधीक्षक (IPS), दिनदयाल दिक्षित प्रतिसार निरीक्षक, रिजर्व पुलिस लाइन जौनपुर उपस्थित रहे।

मानीकलां में लगा मतदाता सूची पुनरीक्षण कैंप

बीएलओ ने निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मतदाताओं की समस्याएं सुनीं और भरवाए फॉर्म

मानीकलां,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज सोंधी क्षेत्र के सभी गांवों में रविवार को निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य किया गया। इस दौरान नियुक्त बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) उपस्थित रहे, जिन्होंने मतदाताओं की समस्याओं का समाधान किया।

इसी कड़ी में, सोंधी ब्लॉक के मानीकलां गांव स्थित कंपोजिट विद्यालय में भी मतदाता बूथ स्थापित किया गया था। बीएलओ ने बताया कि उन्होंने शनिवार को ही ग्रामीणों को सूचित कर दिया था, ताकि वे बूथ पर आकर मतदाता सूची में अपना नाम जांच सकें।

इस जागरूकता अभियान के परिणामस्वरूप, कंपोजिट विद्यालय में मतदाता सुबह से ही अपने और

परिवार के सदस्यों के नामों का मिलान करते देखे गए। शिविर में 1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष पूरे कर चुके नवयुवकों और छूटे हुए पात्र मतदाताओं से फॉर्म 6 भरवाया गया।

मृतक या अनाधिकृत मतदाताओं के नाम सूची से हटाने के लिए फॉर्म 7 का उपयोग किया गया। इसके अतिरिक्त, मतदाता के नाम, पिता या पति के नाम, उम्र आदि में संशोधन के लिए फॉर्म 8 भरवाया गया। निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार, सभी बीएलओ सुबह 10 बजे से बूथ पर उपस्थित रहकर मतदाताओं का सहयोग कर रहे थे। कंपोजिट विद्यालय में सुपरवाइजर रविकांत मौर्य के साथ बीएलओ जमशेद अहमद, तारा देवी, माधुरी देवी, अशोक कुमार बिंद सुमन और विकास कुमार यादव उपस्थित रहे।

एडवोकेट मो.सैफ बने गरीबों की आवाज

हाईकोर्ट में 150 पीड़ितों के हक के लिए मजबूती से लड़ी लड़ाई

मीरगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उच्च न्यायालय इलाहाबाद के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं भारत प्रेस क्लब जौनपुर के कानूनी सलाहकार एडवोकेट मो. सैफ करियांव थाना मीरगंज जौनपुर ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि वकालत केवल पेशा नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुँचाने का सशक्त माध्यम है। ग्राम सनगांव, थाना कोतवाली, जिला फतेहपुर के लगभग 150 गरीब, असहाय एवं मेहनतकश खाताधारकों की RD जमा धनराशि के करोडो गबन के गंभीर मामले में डाक कर्मचारी नीरज यादव के विरुद्ध थाना कोतवाली में 457/2025 अंतर्गत बीएनएस धारा 316(5) के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत हुआ। अभियुक्त द्वारा FIR निरस्त कराने हेतु माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद में दाखिल CRLP संख्या 27438/2025 में पीड़ितों की ओर से अधिवक्ता मो. सैफ ने निःशुल्क, तथ्यात्मक एवं अत्यंत

सशक्त विधिक आधारों पर प्रभावी विरोध प्रस्तुत किया।

माननीय न्यायालय के समक्ष अधिवक्ता मो. सैफ ने स्पष्ट रूप से प्रतिपादित किया कि विभागीय कार्यवाही आपराधिक दायित्व को समाप्त नहीं कर सकती तथा मात्र गिरफ्तारी की आशंका के आधार पर FIR या विवेचना पर स्थगन देना कानून व न्याय की मूल भावना के विरुद्ध है। न्यायालय ने अधिवक्ता मो. सैफ की दलीलों से सहमत होते हुए FIR निरस्त करने एवं विवेचना पर रोक लगाने से इंकार कर दिया तथा जनवरी के अंतिम सप्ताह में 150 पीड़ितों की ओर से काउंटर एफिडेविट दाखिल करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर एडवोकेट मो. सैफ ने देशवासियों को जागरूक करते हुए कहा कि पोस्ट ऑफिस में फ्ळ एवं त्क्ष् जैसी योजनाओं में निवेश करने वाले लोग समय-समय पर अपने खातों की जांच अवश्य करें, क्योंकि हाल के वर्षों में डाक कर्मचारियों द्वारा करोड़ों रुपये के गबन की घटनाएँ देशभर में एक चिंताजनक ट्रेंड बनती जा रही हैं।

बड़ागांव में 28 रजब का निकला जुलूस, इमाम हुसैन के मदीने से कर्बला सफर की याद में आयोजन

मोहम्मद आसिफ

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र स्थित बड़ागांव में रविवार को 28 रजब का जुलूस निकाला गया। यह जुलूस अलम और जुलजना के साथ आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। यह परंपरा कई वर्षों से चली आ रही है। रजब महीने की 28 तारीख को

इमाम हुसैन के मदीने से कर्बला के सफर की याद में इस जुलूस का आयोजन किया जाता है। इस दौरान कर्बला में इमाम हुसैन के परिवार पर हुए अत्याचारों और उनके साथियों के बलिदान को याद किया जाता है। रविवार को सुबह लगभग 11:00 बजे जुलूस शुरू हुआ। यह अपने प्राचीन मार्ग से होते हुए पूरे गांव का भ्रमण किया और बड़ागांव के लखनऊ-बलिया मार्ग स्थित पंजे शरीफ के रौजे पर समाप्त हुआ। इस जुलूस में शिया समुदाय के कई बड़े धर्मगुरुओं ने शिरकत की। क्षेत्र के अलग-अलग गांवों से आए जायरीनों ने भी जुलूस की जियारत की। जुलूस के दौरान समीम हैदर, कमर अब्बास, आले हसन गुल्ला, प्यारे हसन, वारिस हाशमी, जाकिर हुसैन, जफर, तपाऊ, बब्लू इलेक्ट्रॉनिक और हसन मेहंदी सहित हजारों अकीदतमंद मौजूद रहे।

मीरगंज पुलिस पर अधिवक्ता से अभद्रता व संरक्षण न देने का आरोप

दिनेश कुमार विश्वकर्मा

बार काउंसिल उत्तर प्रदेश से की गई शिकायत, जांच की मांग

मीरगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ग्रामसभा करियांव-जनपद जौनपुर के थाना मीरगंज के थानाध्यक्ष पर एक अधिवक्ता के साथ अभद्र व्यवहार करने, विधिक संरक्षण प्रदान न करने तथा विपक्षियों को अवैध संरक्षण देने का गंभीर आरोप लगा है। इस संबंध में पीड़ित अधिवक्ता द्वारा बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश, प्रयागराज को लिखित शिकायत प्रेषित की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मेदपुर, थाना मीरगंज निवासी अधिवक्ता दीपक कुमार दुबे ने आरोप लगाया है कि उन्होंने ग्राम करियांव स्थित आराजी संख्या 1020 की भूमि/मकान को दिनांक 18 दिसंबर 2025 को विधिवत पंजीकृत बैनामा के माध्यम से क्रय किया है, जिस पर वे पूर्व से शांतिपूर्ण एवं वैध कब्जे में हैं। उक्त संपत्ति से संबंधित वाद सिविल जज (सीनियर डिवीजन), जौनपुर के न्यायालय में विचाराधीन है।

आरोप है कि इसके बावजूद दिनांक 23 एवं 24 दिसंबर 2025 को विपक्षियों द्वारा एकराय होकर जबरन कब्जा करने के उद्देश्य से मकान में तोड़फोड़ की गई, गाली-गलौज की गई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। इस घटना की लिखित तहरीर दिनांक 25 दिसंबर 2025 को थाना मीरगंज में दी गई, किंतु न तो प्राथमिकी दर्ज की गई और न ही किसी प्रकार की विधिक सहायता प्रदान की गई। शिकायत में यह भी कहा गया है कि दिनांक 17 जनवरी 2026 को पुनः विपक्षियों द्वारा अधिवक्ता के चेंबर का ताला तोड़कर अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया। जब पीड़ित अधिवक्ता थाना पहुंचे तो उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया और उन्हें थाने से भगा दिया गया। यह कृत्य अधिवक्ता संरक्षण, विधि शासन तथा उच्चतम एवं उच्च न्यायालयों द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों के विपरीत बताया गया है। पीड़ित अधिवक्ता का कहना है कि यह मामला केवल पुलिस की कर्तव्यहीनता का ही नहीं, बल्कि एक अधिवक्ता को उसके संवैधानिक एवं पेशेवर अधिकारों से वंचित किए जाने का गंभीर विषय है। उन्होंने बार काउंसिल उत्तर प्रदेश से प्रकरण का संज्ञान लेकर संबंधित पुलिस अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक अनुशासनात्मक एवं संस्थागत कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय अधिवक्ताओं में इस घटना को लेकर रोष व्याप्त है। बार से जुड़े लोगों का कहना है कि यदि अधिवक्ताओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित नहीं किया गया, तो यह विधि व्यवस्था और न्याय प्रणाली के लिए गंभीर चिंता का विषय होगा।

मशहूर मूर्तिकार राजबली यादव से मिले उत्तर यादव युवा संघ के पदाधिकारी

आजमगढ़ (उत्तरप्रदेश)। स्व. मुलायम सिंह यादव के प्रति गहरी आस्था रखने वाले, पूर्व रक्षा मंत्री स्व. मुलायम सिंह यादव की मूर्तियां बनाने वाले और पूरे भारत में प्रसिद्ध मूर्तिकार राजबली यादव (रणमो, आजमगढ़) के निवास पर उत्तर यादव युवा संघ के पदाधिकारियों ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उत्तर यादव युवा संघ आजमगढ़ के राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी यादव, महासचिव लल्लन यादव, पूर्व प्रधान फौजदार यादव, गुड्डू पाल सहित कई साथी उपस्थित रहे। मुलाकात के दौरान मूर्तिकार राजबली यादव ने बताया कि उनके पिता का नेता मुलायम सिंह यादव से गहरा लगाव था। उसी पारिवारिक संस्कार और आशीर्वाद के कारण उनके मन में नेता के प्रति विशेष श्रद्धा उत्पन्न हुई, जिसने उन्हें नेता की मूर्ति बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज वे पूरे देश में नेताजी की मूर्तियां पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं और आगे भी इस मिशन को निरंतर जारी रखेंगे। राजबली यादव ने समाज से आशीर्वाद की अपेक्षा करते हुए कहा कि यदि इसी प्रकार समाज का सहयोग और आशीर्वाद मिलता रहा, तो वे कला के क्षेत्र में और भी बेहतर कार्य करते रहेंगे। वहीं राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी यादव ने राजबली यादव के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सोच और समर्पण अत्यंत प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि नेताजी द्वारा समाज को दिए गए आशीर्वाद आज जनता के बीच स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। इस अवसर पर उन्होंने श्रद्धेय नेताजी को कोटि-कोटि नमन करते हुए मूर्तिकार राजबली यादव को उत्तर यादव युवा संघ एवं देशवासियों की ओर से ढेरों शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भगवान योगेश्वर श्रीकृष्ण से प्रार्थना की कि राजबली यादव अपने जीवन में निरंतर प्रगति करें और देश व समाज का नाम रोशन करें।

वरिष्ठ भाजपा नेता राज के. पुरोहित का निधन

-जगदीश पी पुरोहित

मुंबई। वरिष्ठ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता और महाराष्ट्र के पूर्व कैबिनेट मंत्री राज के. पुरोहित का रविवार सुबह बॉम्बे अस्पताल में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 71 वर्ष के थे। पांच बार विधायक रहे पुरोहित 25 से अधिक वर्षों तक दक्षिण मुंबई की राजनीति में एक प्रमुख व्यक्ति थे, जिन्होंने मुंबादेवी और कोलाबा निर्वाचन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने श्रम और संसदीय मामलों के मंत्री के रूप में कार्य किया और मुंबई भाजपा इकाई के अध्यक्ष भी रहे, जिससे शहर में पार्टी के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

राजस्थान के फुगानी सिरोही गांव में जन्मे पुरोहित को मुंबई में राजस्थानी और उत्तर भारतीय प्रवासी समुदायों की अग्रणी आवाज के रूप में व्यापक रूप से जाना जाता था। श्रवासी किरायेदारों के मसीहा के रूप में जाने जाने वाले, उन्होंने किरायेदार अधिकारों और शहरी आवास सुधारों के लिए संघर्ष किया। राजनीतिक क्षेत्र से श्रद्धांजलि का तांता लग गया, नेताओं ने उनकी मृत्यु को महाराष्ट्र के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया। उनका निधन उनके बेटे आकाश राज के. पुरोहित के 16 जनवरी, 2026 को भाजपा टिकट पर वार्ड नंबर 221 से 2026 बीएमसी चुनाव जीतने के एक दिन बाद हुआ।

दिवंगत नेता की अंतिम यात्रा राष्ट्रीय तिरंगे में लपेटी गई और पूरे राजकीय सम्मान के साथ संपन्न हुई। पार्टी कार्यकर्ताओं, समुदाय के नेताओं और स्थानीय निवासियों की एक बड़ी भीड़ अंतिम सम्मान देने के लिए इकट्ठा हुई। उनके बेटों, आकाश और सूरज पुरोहित, ने भावुक दृश्यों के बीच चिता को अग्नि दी।

उपस्थित लोगों में महाराष्ट्र भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चौहान, भाजपा मुंबई अध्यक्ष अमित साटम, विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, और पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रकाश मेहता शामिल थे। दक्षिण मुंबई के सांसद अरविंद सावंत ने अंतिम संस्कार में भाग लिया, जबकि पूर्व केंद्रीय मंत्री एडवोकेट पी. पी. चौधरी ने फोन पर संवेदना व्यक्त की।

पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी और किरीट सोमैया, साथ ही मौजूदा विधायक संजय उपाध्याय, कैप्टन तमिल सेल्वन, अतुल भाटकर, मनीषा चौधरी, पराग शाह, और मिहिर कोटेचा भी उपस्थित थे। पूर्व विधायकों, जिनमें अतुल शाह, बाला नंदगांवकर, सुनील राणे, मोहन रायपुरा, अशोक धतरक और भाई जगताप शामिल थे, ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी। सिटी काउंसलर मकरंद नार्वेकर और पूर्व पार्षद भरत गुर्जर, शांतिलाल जैन, शरदभाई पटेलवाला और जनक संघवी (बीजेपी वार्ड अध्यक्ष), आदर्श होटल ग्रुप के घनश्याम और जगदीश, अजयराज, डॉ. मगनलाल, नटवरभाई पोसिंडा, हिम्मतसिंह चंचोरी, राजेंद्रसिंह खंडाप, हुकमसिंह खिंचन, विजयसिंह भंवरनी, ईश्वरसिंह पलासिया, खेतसिंह मौड़ी, जोगसिंह ओडवाड़ा, सीए भरत सवाला, रामसिंह धर्मधारी, पप्पा मंडल, हरिसिंह पलासिया और कई सामाजिक नेताओं सहित राजपुरोहित समुदाय के सदस्यों के साथ शामिल हुए, जो राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों में अनुभवी नेता के व्यापक प्रभाव और सम्मान को दर्शाता है।

राज पुरोहित के निधन के बाद शोक संवेदनाएं उमड़ पड़ीं

सामाजिक और सांस्कृतिक संगठन परोपकार के पूर्व संस्थापक अध्यक्ष, शंकर केजरीवाल ने राज पुरोहित को न केवल राजस्थानी समुदाय बल्कि सभी लोगों का एक समर्पित कार्यकर्ता बताया और कहा कि उनकी कमी हमेशा महसूस की जाएगी। आदर्श होटल ग्रुप के जगदीश पुरोहित ने कहा कि राज पुरोहित द्वारा किए गए कार्यों को हमेशा याद रखा जाएगा और वे समाज को प्रेरित करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि प्रवासी समुदाय की एक मजबूत आवाज आज खामोश हो गई है। राजस्थान फाउंडेशन के मुंबई चैप्टर के अध्यक्ष गणपत कोठारी ने कहा कि राज पुरोहित बहुत मेहनती और मिलनसार व्यक्ति थे। राजस्थानी समाज बोरीवली के अध्यक्ष अजयराज पुरोहित ने कहा कि राजस्थानी समुदाय का गौरव आज उन्हें छोड़कर चला गया है और समाज उन्हें हमेशा याद रखेगा। राजपुरोहित समृद्धि फाउंडेशन के पूर्व अध्यक्ष हुकम सिंह खिंचन ने कहा कि राज पुरोहित समाज के सभी वर्गों के लोगों के लिए हमेशा उपलब्ध रहते थे और सभी को एकजुट रखने के लिए लगातार काम करते थे।

वॉर्ड क्रमांक 176 से महायुती उम्मीदवार रेखा यादव को जीत पर बधाई

मुंबई(बृहन्मुंबई महानगरपालिका 2026 चुनाव में विजयी हुए सभी उम्मीदवारों को हार्दिक शुभकामनाएँ दी जा रही हैं। इसी क्रम में वॉर्ड क्रमांक 176 से महायुती की ओर से भाजपा चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ने वाली श्रीमती रेखा यादव के नगरसेविका पद पर विजयी होने पर उन्हें ढेरों बधाइयाँ और शुभेच्छाएँ दी गईं।

रेखा यादव की यह जीत जनता के विश्वास, अथक परिश्रम और समर्पण का परिणाम मानी जा रही है। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने ईश्वर से प्रार्थना की कि वे अपने कार्यकाल में वॉर्ड के विकास और जनसेवा के नए आयाम स्थापित करें। इस ऐतिहासिक जीत के अवसर पर समाजसेवक व समाजसेविका सुखबिंदर सिंह (लाला भाई), श्रद्धा गोरगे सहित अनेक नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने रेखा यादव जी को शुभकामनाएँ दीं और उनसे अपेक्षा जताई कि वे सदैव जनता के बीच रहकर जनहित में कार्य करती रहें। कार्यक्रम के दौरान यह भी कहा गया कि भाजपा, शिवसेना, रिपाई और रिपब्लिकन सेना की महायुती जनता के विश्वास और जनसमर्थन का प्रतीक है।

इंदौर स्थित भागीरथपुरा पहुंचे राहुल गांधी

राहुल गांधी पीड़ितों से मिलकर बोले राजनीति करने नहीं जिम्मेदारी निभाने आया हूं

-प्रणीत तिवारी चीफ ब्यूरो

इंदौर (उत्तरशक्ति)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शनिवार को इंदौर के दौरे पर पहुंचे। यहां उन्होंने भागीरथपुरा इलाके के दूषित पेयजल से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और बाम्बे हॉस्पिटल जाकर वहां पर भर्ती पीड़ित मरीजों से मुलाकात की , और पिड़ित परिवारों से बात करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि वह राजनीति करने नहीं आएं हैं।बल्कि पीड़ित लोगों की मदद करने और अपने जिम्मेदारी निभाने आए हैं, उन्होंने दूषित पेयजल प्रदाय किये जाने को लेकर सरकार व प्रशासन पर गंभीर सवाल भी उठाए । भागीरथपुरा में पीड़ित परिवारों से मुलाकात करने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि शुद्ध पेयजल की जगह प्रदूषित पानी पिलाया जा रहा है । यहां पर सबसे अधिक प्रदुषित पानी से लोगों की मौत हुई है , राहुल गांधी ने कहा यह महज इंदौर का मामला नहीं बल्कि प्रदेश की कई शहरों की ऐसी ही स्थित है। ऐसे में सरकार अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रही है। प्रदेश प्रदूषण जल से मौत मामले पर राजनीति करने की सवाल पर राहुल गांधी ने स्पष्ट कहा कि वह लोकसभा के विपक्ष के नेता हैं ।ऐसे में उनका यह काम है कि पीड़ितो की मदद की जाए। भागीरथपुरा पीड़ित परिवारों से मुलाकात करने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि शुद्ध पेयजल की जगह प्रदूषित पानी प्रदान करना यहां पर सबसे गंभीर समस्या है, जिससे लोगों की मौतें हुई है। राहुल गांधी ने कहा यह महज इंदौर का मामला नहीं बल्कि प्रदेश के कई शहरों की ऐसी स्थिति है ऐसे में सरकार अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रही है प्रदूषण जल से मौत मामले में राजनीति करने की सवाल पर राहुल गांधी ने स्पष्ट कहा कि वे लोकसभा विपक्ष के नेता है , ऐसे में उनका यह काम है कि पीड़ित परिवारों न्याय मिले और उनको न्याय दिलाने के साथ खड़े रहे उन्होंने कहा कि यहां मैं राजनीति करने नहीं बल्कि पीड़ितों की मदद करने की साथ अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए आया हूं । उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर पानी की समस्या को हल कराएंगे । इससे पहले राहुल गांधी इंदौर एयरपोर्ट पर उतरने के फौरन बाद ही सीधे बाम्बे हॉस्पिटल पहुंचे थे । जहां उन्होंने भर्ती मरीजों का हाल-चाल जाना और उनकी समस्याओं को सीधे सुना इसके बाद उन्होंने भागीरथपूरा पहुंचकर दूषित पानी से प्रभावित पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और उन्हें हौसला दिलाया राहुल गांधी ने भागीरथपुरा की गलियों में पैदल घूमें और दूषीत जल प्रभावित इलाकों का जायजा लिया । वे पीड़ित परिवारों से मिले । दुषित पानी के कारण मौत की नींद सोयी गीता देवी की परिजनों से मिलने पहुंचे , वहां राहुल गांधी ने पीड़ित परिवारों से मिलकर एक-एक लाख रुपए की आर्थिक मदद प्रदान की और पीड़ितों को उन्होंने एक - एक लाख के चेक सौंपे ।

शुभम पैराडाइस सोसाइटी में नवनिर्वाचित नगरसेविकाओं का भव्य स्वागत

कल्याण। कल्याण पूर्व स्थित शुभम पैराडाइस सोसाइटी, जो प्रभाग क्रमांक 13 एवं 14 की सीमा में स्थित है, में नवनिर्वाचित नगरसेविकाओं का भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। उल्लेखनीय है कि इस परिसर के अनेक मतदाता दोनों ही प्रभागों से संबंधित हैं। इस अवसर पर नवनिर्वाचित नगरसेविकाएँ श्रीमती पूजा संजयसेठ गायकवाड़, श्रीमती सरोज मनोज राय एवं श्रीमती सारिका सतीश जाधव का सोसाइटी की ओर से पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया गया ! कार्यक्रम में सोसाइटी के प्रमुख रहिवासी दिगंबर कारांडे, अजय प्रजापति, गणेश कदम, नवनीत गायकवाड़, अतिन रोकड़े, विश्वामित्र, विशाल, अजय पराड़कर, अंजू कोरी, अनुश्री झेंडे, चिकने, प्रकाश जाधव सहित सैकड़ों रहिवासी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अजय प्रजापति ने नगरसेविकाओं का ध्यान शहर की सुरक्षा, स्वच्छ एवं नियमित जलापूर्ति, पार्किंग जैसी मूलभूत एवं गंभीर समस्याओं की ओर आकर्षित करते हुए उनके शीघ्र समाधान की अपेक्षा व्यक्त की। नगरसेविकाओं ने भी नागरिकों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

स्नेहा दुबे पंडित ग्वालियर गांव में ब्लड डोनेशन कैंप पहुंची

वसई। ज़िला परिषद स्कूल, वालिव गांव, वसई ईस में ब्लड डोनेशन सिर्फ डोनेशन नहीं है, यह किसी की ज़िंदगी के लिए दिया गया आशीर्वाद है। वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने आज ज़िला परिषद स्कूल, वालिव (वसई ईस्ट) में जगद्गुरु श्रीमद् रामानंदाचार्य नरेंद्राचार्यजी (रामानंदाचार्य दक्षिणपीठ, नानीजधाम, महाराष्ट्र) की प्रेरणा से आयोजित बड़े ब्लड डोनेशन कैंप जीवनदान महाकुंभ 2026 में शामिल हुए। मानव सेवा ही सच्चा धर्म है, इस भावना के साथ लगाए गए इस ब्लड डोनेशन कैंप को भक्तों, स्थानीय नागरिकों, पदाधिकारियों और कार्यकताओं का अचानक रिस्पॉन्स मिला। इस पहल से समाज में ब्लड डोनेशन के बारे में लोगों में जागरूकता आएगी और कई जरूरतमंद मरीजों को जान बचाने में मदद मिलेगी। इस मौके पर वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित के साथ वसई ईस्ट वालिव मंडल के अध्यक्ष सूर्यकांत वाघमारे और बड़ी संख्या में भक्त, स्थानीय नागरिक, पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे। इस तरह की सामाजिक पहल समाज में सेवा, करुणा और एकता के संदेश को मजबूत कर रही हैं।

इसके साथ आगे बढ़ना: जैन आध्यात्मिक इतिहास में ऐतिहासिक उपलब्धि : दो साल के अंदर 108 दीक्षाएं पूरी हुईं

मुंबई। जैन आध्यात्मिक इतिहास में एक ऐतिहासिक और अभूतपूर्व उपलब्धि में,श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ ने सिर्फ दो सालों में 108 दीक्षाएं पूरी करके एक बहुत बड़ा आध्यात्मिक संकल्प सफलतापूर्वक पूरा किया है। यह ऐतिहासिक आह्वान अक्टूबर 2023 में आचार्य श्री 1008 रामलाल जी महाराज सा ने किया था, जिन्होंने जैन समुदाय और साधु-संतों से मिलकर दो साल के अंदर 100 से ज्यादा दीक्षाएँ दिलाने की दिशा में काम करने का आग्रह किया। इस गहन आध्यात्मिक सोच पर प्रतिक्रिया देते हुए साधुमार्गी जैन परंपरा के पूज्य संतों और साध्वियों ने पूरी लगन से इस मिशन के लिए खुद को समर्पित कर दिया। दिसंबर 2025 तक यह संकल्प न सिर्फ पूरा हुआ, बल्कि उससे ज्यादा हासिल किया गया, जिसमें 108 दीक्षाएँ सफलतापूर्वक पूरी हुईं, जो जैन धार्मिक इतिहास में एक ऐतिहासिक क्षण था। यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि स्थानकवासी जैन परंपरा के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि इतनी बड़ी संख्या में दीक्षाओं की पहले से घोषणा की गई और एक तय और कम समय सीमा के अंदर उन्हें सफलतापूर्वक पूरा किया गया। श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ राष्ट्रीय अध्यक्ष और नरेंद्र जी गांधी, जावद श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन समता युवा संघ (अंतर्गतः श्री अ.भा.साधुमार्गी जैन संघ) सुमित जी बम्ब ने कहा आचार्य श्री 1008 रामलाल जी महाराज सा ने कहा कि यह उपलब्धि सिर्फ.एक संख्यात्मक मील का पत्थर नहीं है, बल्कि एक आध्यात्मिक जागरण है। यह हमारे संतों, साध्वियों और जैन समुदाय के त्याग और आत्म-साक्षात्कार के मार्ग के प्रति गहरे विश्वास, अनुशासन और सामूहिक प्रतिबद्धता को दशार्ता है। कामना है कि यह आने वाली पीढ़ियों को संकल्प और पवित्रता के साथ धर्म के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करे। यह उपलब्धि साधुमार्गी जैन संघ के सामूहिक आध्यात्मिक अनुशासन, भक्ति और संगठनात्मक शक्ति का एक शक्तिशाली प्रमाण है। यह आज की दुनिया में संयम, आत्म-अनुशासन और आंतरिक जागृति जैसे जैन मूल्यों के प्रति नए सिरे से प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

नागरिक सुरक्षा के तहत ब्लैक आउट मॉक ड्रिल का आयोजन के लिए बैठक संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कलेक्ट्रेट सभागार में इन्द्र नन्दन सिंह, नगर मजिस्ट्रेट / उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा, जौनपुर की अध्यक्षता में नागरिक सुरक्षा के तहत ब्लैक आउट मॉक ड्रिल का आयोजन दिनांक 23 जनवरी, 2026 को कराये जाने के सम्बन्ध में नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवकों के साथ बैठक की गयी, जिसमें नगर मजिस्ट्रेट / उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा द्वारा अचानक आने वाली दैवी आपदा, अपराध नियंत्रण, आग से सुरक्षा, यातायात नियंत्रण, स्वास्थ्य सेवायें, आपात कालीन सेवायें सहित जागरूकता अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी और समस्त सदस्यों के नागरिक सुरक्षा में दिये गये नियमों एवं कर्तव्यों से अवगत कराया गया। उक्त बैठक में मुख्य रूप से डा० मनोज वत्स, चीफ वार्डेन नागरिक सुरक्षा, शशिकान्त सिंह, इम्तियाज अहमद, डा० प्रमोद सिंह, रियाजुल हक, डा० हरिनाथ यादव, डा० अंजना सिंह, सुधीर सिंह, नेहा जैन, अन्जुम बेगम, आशीष श्रीवास्तव, विश्व प्रकाश श्रीवास्तव, माधुरी गुप्ता, प्रकान्त दूबे, सर्वेश सिंह, अजय सिंह, मो० हसनैन, राधेरमण जायसवाल, डा० लल्लन मौर्या, उर्वशी सिंह, संतोष कुमार मौर्य, मो० शाहिद मंसूरी, राजेन्द्र कुमार आपदा मित्र सहित समस्त सदस्य नागरिक सुरक्षा उपस्थित रहे। उप नियंत्रक द्वारा यह भी बताया गया कि दिनांक-23.01.2026 को सायं 05:00 बजे पुलिस लाइन, जौनपुर में ब्लैक आउट मॉक ड्रिल सम्पन्न होगा। बैठक का संचालन विजय प्रताप सिंह, नाजिर कलेक्ट्रेट द्वारा किया गया।

सामाजिक समरसता के बिना समाज की एकता सम्भव नहीं : वीरेंद्र जी

जौनपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विगत एक सौ वर्ष से हिन्दू समाज को संगठित करने के लिए लगा हुआ है। एक सौ वर्ष की यात्रा में अनेक उतार चढ़ाव देखे है। संघ पर प्रतिवन्ध लगा, इसके वावजूद समाज के सहयोग के बल पर निरन्तर अग्रसर है विश्व का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन वन चुका है। शताब्दी समारोह के अवसर पर समाज से पञ्च परिवर्तन के विन्दुओं पर सहयोग करने एवं उस पर आत्मसात करने की अपील की है। उक्त उद्गार सह०स्वयं सेवक संघ के सह जिला कार्यवाह वीरेन्द्र ने सराय डींगुर शिव मन्दिर पर आयोजित हिन्दू सम्मेलन में व्यक्त किया। इस पर इसके पूर्व कार्य, कम को मातृ शाक्त के रूप में उपस्थित पुष्पा शुक्ला, वरिष्ठ समाजसेवी विमल प्रताप सिंह ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजीव प्रताप सिंह (राजू भैया) संचालन संगम में किया। इस अवसर पर पूर्व प्रधान राघवेन्द्र, राहुल, मंजीत, विजम भान सिंह पटेल, देवा सरोज, सूरज सरोज, नन्हकू हरिजन, महाजन वनवासी, सोनार कहार, उपस्थित उल्लेखनीय रही।

नवीन पनवेल में राजेश प्रजापति द्वारा नव कुंडी यज्ञ का आयोजन

नवी मुंबई । नवीन पनवेल नवी मुंबई राजेश प्रजापति (प्रमुख भवन निमार्ता) एवं समाजसेवी के द्वारा नव कुंडी यज्ञ का आयोजन 16 ,17 और 18 जनवरी 2026, तीन दिनों के लिए प्रजापति हाउस, माथेरान रोड,सेक्टर-19, नवीन पनवेल में किया गया है। जिसका समय सुबह 7:30 से 10:00 और शाम 6:00 से 8:30 बजे है। राजेश प्रजापति ने सभी लोगों को इसमें शामिल होने के लिए आह्वान किया था। जिससे बड़ी संख्या में भक्त जन यज्ञ में शामिल हुए। रोजाना यज्ञ के उपरांत महाप्रसाद की भी व्यवस्था की गई। बड़ी संख्या में इसका लाभ भक्त जन ले रहे थे। आज प्रजापति समाज विकास मंडल रजि. राष्ट्रीय सामाजिक संस्था की टीम ने भी दर्शन किया।

किलर चाइनीज मांझे से मौत के विरोध में निकाला गया कैंडल मार्च

-डॉ. इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। चाइनीज मांझे की चपेट में आकर फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. समीर हाशमी की दर्दनाक मौत से पूरे जनपद में शोक और आक्रोश का माहौल है। बीते दिनों हुई इस हृदयविदारक घटना के बाद दिवंगत आत्मा की शांति एवं चाइनीज मांझे के बहिष्कार की मांग को लेकर जौनपुर फिजियोथेरेपी वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में एक विशाल कैंडल मार्च निकाला गया। कैंडल मार्च जेसीज चौराहे से प्रारंभ होकर सद्भावना पुल के रास्ते गोपी घाट पर समाप्त हुआ। इस दौरान उपस्थित फिजियोथैरेपिस्टों एवं नागरिकों ने मोमबत्तियां जलाकर डॉ. समीर हाशमी को नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित की तथा चाइनीज मांझे पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि चाइनीज मांझा जानलेवा है और इसके कारण अब तक कई निर्दोष लोगों की जान जा चुकी है। श्रद्धांजलि सभा में डॉ. महेंद्र पाल, डॉ. संतोष मौर्या, डॉ. अमित तिवारी, डॉ. वरुण कुमार गोंड, डॉ. अश्वनी चौबे, डॉ. योगेश, डॉ. रितेश अग्रहरि, डॉ. शरद मिश्रा, डॉ. प्रदीप मौर्या, डॉ. ऋषि यादव, डॉ. प्रदीप गुप्ता, डॉ. अनंत चौहान सहित जौनपुर फिजियोथेरेपी वेलफेयर एसोसिएशन के समस्त सदस्य एवं बड़ी संख्या में फिजियोथैरेपिस्ट उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में चाइनीज मांझे के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

मौन रहकर किया गंगा स्नान-दान, काशी के 84 घाटों पर उमड़ा जन सैलाब

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में मौनी अमावस्या पर्व पर गंगा तटों पर आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। भोर से ही नमो घाट, राजघाट, प्रह्लाद घाट, गाय घाट, त्रिलोचन घाट, ब्रह्मा घाट और पंचगंगा घाट पर श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया। हजारों की संख्या में भक्तों ने पूरे दिन गंगा स्नान कर मौन व्रत के साथ विधि-विधान से पूजन, दर्शन और दान किया। घाटों पर हर-हर गंगे के जयकारों के बीच धार्मिक वातावरण बना रहा।

मान्यता है कि गंगोत्री से गंगासागर तक गंगा की यात्रा में काशी में मां गंगा का प्रवाह पश्चिम दिशा की ओर है, इसी कारण इसे पश्चिम वाहिनी गंगा कहा जाता है। मौनी अमावस्या के दिन मौन रहकर स्नान और दर्शन-पूजन करने की प्राचीन परंपरा के निर्वहन के लिए पूर्वांचल के विभिन्न जिलों से श्रद्धालु एक दिन पूर्व से ही वाराणसी पहुंचने लगे थे। स्नान-पूजन के बाद श्रद्धालुओं ने काशी विश्वनाथ मंदिर, काल भैरव मंदिर, संकटच मोचन मंदिर सहित काशी के प्रमुख देवालयों में दर्शन किया। सभी सिद्धियों का मूल मौन ही है। मां गंगा हमारे शरीर, आत्मा और मन तीनों को मिलाने का माध्यम बनेंगी। यही मौनी अमावस्या का मूल है। दरअसल, मकर राशि जीव के शरीर का प्रतीक है, सूर्य आत्मा का और चंद्रमा मन का प्रतीक। इन तीनों का एक साथ योग ही मौनी अमावस्या है। यह अपने आत्म-साक्षात्कार का पर्व है।

मानव शरीर में तीन तरह के मल हैं, जिन्हें साफ किया जाता है- कर्म, भाव और अज्ञान का मल। इनका नाश गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम में मौनी अमावस्या के दिन केवल स्नान मात्र से हो जाता है। लेकिन लोग अपनी प्रकृति से बंधे हैं और फिर उसी स्वभाव के अनुसार कर्म करते हैं। बीएचयू के ज्योतिष विभाग में शोध कर चुके डॉ. अधोक्षज पांडेय ने ये जानकारियां दी। डॉ. पांडेय ने कहा कि माघ मास की अमावस्या को मौनी अमावस्या इसलिए कहा गया है क्योंकि इस दिन मौन-स्नान को सिद्धिदायक माना गया है। केवल शरीर को जल में डुबोना ही स्नान नहीं है; वास्तविक स्नान तो वाक्-संयम है। मन से वाणी उत्पन्न होती है। मौन के माध्यम से प्राणशक्ति का संरक्षण होता है और अन्तःकरण शुद्ध होता है। अनियंत्रित वाणी अनावश्यक शब्दों के माध्यम से प्राणशक्ति का क्षय करती है। इसलिए शास्त्रों ने मौन को व्रत का स्वरूप दिया है। मौनी अमावस्या के दिन त्रिवेणी स्नान का फल सौ अश्वमेध यज्ञ और हजार राजसूय यज्ञ के समान होता है।

व्रत, दान, तप से श्री हरि उतने खुश नहीं होते जितने कि मौनी अमावस्या के स्नान से

व्रत, दान और तपस्या से भी भगवान श्रीहरि को उतनी प्रसन्नता नहीं होती, जितनी कि मौनी अमावस्या में स्नान मात्र से होती है। सभी पापों से मुक्ति और भगवान वासुदेव का प्रेम पाने के लिए हर व्यक्ति को इस दिन स्नान करना चाहिए। इस दिन की विशेषता यह है कि जहां कहीं भी जल हो, वह गंगाजल के समान ही होता है।

फिर भी प्रयाग, काशी, नैमिषारण्य, कुरुक्षेत्र, हरिद्वार तथा अन्य पवित्र तीर्थों और नदियों में स्नान का बड़ा महत्व है। बीएचयू के ज्योतिषाचार्य प्रो. विनय पांडेय ने बताया कि यह जानकारी शास्त्रसम्मत है। प्रो. विनय पांडेय के अनुसार, माघ मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या मौनी अमावस्या शनिवार रात 11 बजकर 38 मिनट से प्रारंभ हो चुकी है और रविवार को रात 12 बजकर 57 मिनट तक रहेगी। आज सुबह 355 मिनट का उत्तम मुहूर्त, मौन रहकर 5 लाख लोग करेंगे स्नान-दान

आज मौनी अमावस्या पर काशी में पांच लाख से ज्यादा श्रद्धालु गंगा स्नान करेंगे। सुबह 5:59 बजे से सुबह 11:55 बजे तक 355 मिनट का उत्तम मुहूर्त होगा। दशाश्वमेध, अस्सी, तुलसी, पंचगंगा, राजघाट, दरभंगा समेत सभी घाटों पर स्नानार्थी मौन व्रत रख गंगा स्नान, तिल-दान, वस्त्र-दान, अन्न-दान और ब्राह्मण सेवा कर अक्षय पुण्य प्राप्त करेंगे। रविवार को साल का एकमात्र दिन होगा जब भगवान सूर्य और चंद्रमा मकर राशि में

जिला महामंत्री अजय सोनकर शास्त्री नें फार्म 6 भरकर बीएलओ को किया जमा

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत तहसील क्षेत्र के ग्राम सभा सरायबीरू निवासी एवं भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री अनुसूचित मोर्चा मछलीशहर अजय सोनकर शास्त्री नें 18 जुलाई दिन रविवार को विधानसभा केराकत के मण्डल केराकत अन्तर्गत बूथ संख्या 197 पर पहुंच कर वरिष्ठ भाजपा नेता अजय सोनकर शास्त्री नें नये मतदाता फार्म 6 भरकर बीएलओ पास जमा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मेरे द्वारा ज्यादा से ज्यादा फार्म 6 को स्वयं एवं अन्य लोगों से भरवाकर जमा किया गया है। मेरा यह प्रयास है कि अधिक से अधिक लोगों का नाम मतदाता सूची में शामिल हो जाये। मेरे द्वारा काफी मेहनत करके यह काम पूरे जिम्मेदारी के साथ किया गया है। इस में अधिक से अधिक लोगों को भी मतदाता फार्म 6 को भरवानें में सहयोग कर ताकि एक भी मतदाता का नाम मतदाता सूची से बाहर न हो भारतीय जनता पार्टी की सरकार सब का साथ, सबका विकास के तहत काम कर रही है। जनता की भाजपा के प्रति बढ़ती लोक प्रियता को देखकर आज कांग्रेस, सपा, बसपा, की नींद हराम हो गई है। मुझे उम्मीद है कि आनें वाले वर्ष 2027 में भी भारतीय जनता पार्टी की ही सरकार बनेगी। विरोधियों के चीखनें और चिल्लानें और हिन्दू मुस्लिम के ठेकेदार बनकर वोटों की राजनीति जो कि जा रही है वो अब काम आनें वाला नहीं है हमारे देश और प्रदेश की जनता महान है मैं दिल से धन्यवाद देता हूं कि इनके आशिर्वाद से आज हमारी सरकार देश और प्रदेश में है और आगे भी भाजपा की ही सरकार बनेगी।

सरल आसन और गहरा प्रभाव

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में लोग घंटों बैठे रहते हैं पर दिन में दो बार भोजन करने के समय में 20 मिनट भी सही दिशा में नहीं टिक पाते और न ही भोजन के तुरंत बाद सही मुद्रा में बैठकर वज्रासन करते जो भोजन को पचाने में व रीढ़ की हड्डी को मजबूत रखने में फायदेमंद है। इसको डायमंड पॉज भी कहा जाता है।वज्रासन एक शक्तिशाली योगमुद्र है शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए कई लाभ प्रदान करती है और एक यही आसान है जो भोजन के बाद भी किया जा सकता है। फिर भी लोग अक्सर इसे नजर अंदाज कर देते हैं।ज्ञातव्य हो आयुर्वेद और योग शास्त्र में वज्रासन को भोजन के बाद बैठने का सर्वश्रेष्ठ आसन माना गया है।

आपको बता देवे कि एकमात्र यही ऐसा योगासन है जिसे खाने के तुरंत बाद भी किया जा सकता है।इसको करने से पाचन क्रिया बेहतर होती है,गैस व अपच की समस्या नहीं होती,वजाइगस नर्व शांत होती है और शरीर में ऊर्जा का संतुलन बना रहता है।नियमित रूप से वज्रासन कर आप अपने स्वास्थ्य को सुधार सकते हैं

वज्रासन के लाभ एक नजर में:

- पाचन क्रिया को सुधारता है।
- गैस,अपच,भारीपन जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है।
- पीसीओडी व पीरियड के दौरान होने वाले दर्द में राहत दिलाता है /कारगर है।
- डायबिटीज और ब्लड शुगर कंट्रोल में करने में सहायक।
- वजन घटाने व चर्बी नियंत्रण में मददगार है।
- तनाव ओर चिंता में कमी लाकर मानसिक शांति प्रदान कर सकता है।
- वज्रासन रीढ़ की को मजबूत बनाता है और पीठ दर्द को कम करता है
- यह आसन एकाग्रता और ध्यान में वृद्धि करने में मदद करता है।

निद्रा में सुधार कर अनिद्रा रोग को मिटाता है।

कब और कितनी देर करें?

भोजन के बाद 5 से 12 मिनट तक वज्रासन में बैठना पर्याप्त होता है।इसके साथ ही गर्म पानी का धीमे-धीमे सेवन लाभदायक रहता है।

घरेलू योग-उपचारः

वज्रासन के साथ 4-7-8 ब्रीदिंग या दीप शिथिलता तकनीक तनाव,अनिद्रा,पीरियड पेन और पेट की समस्याओं में विशेष रूप से लाभकारी है। सरल एवं करने में सबसे आसान यह वज्रासन न केवल शरीर को भीतर से संबल देता है,बल्कि नियमित अभ्यास से यह रोगों की रोकथाम में भी कारगर भूमिका निभाता है। स्वस्थ रहने के लिए इसे नियमित करें।करने में सरल पर चमत्कारी इस आसन को अपनी दिनचर्या का हिस्सा जरूर बनाएं वज्रासन करने से आप अपने स्वास्थ्य में सुधार कर सकते हैं और कई उदर संबंधित समस्याओं से छुटकारा पा सकतें हैं।

--डॉ राजेंद्र कुमावत चिराना, ब्लॉक आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी उदयपुरवाटी